सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 228, नई दिल्ली । रविवार, 27 अक्टूबर 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

यह मत मानिए कि जीत ही सब कुछ है, महत्वपूर्ण यह है कि आप किस उद्देश्य के लिए जीतना चाहते हैं...

03 यमुना में डुबकी केजरीवाल सरकार के दावों की विफलताओं को...

06 हर अंत एक नई शुरुआत

08 चक्रवात पर राज्य सरकार श्वेत पत्र जारी करे : बिजेंद्र

दिल्ली में मीटर से हो ऑटो किराया का भुगतान

हाईकोर्ट ने सरकार से फैसला जल्द लेने को कहा

संजय बाटला

दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली सरकार को निर्देश दिया कि वह यह सुनिश्चित करे कि ऑटो रिक्शा में किराया मीटर लगाने के नियम का पालन हो और लोग मीटर के अनुसार ही किराया दें। याचिकाकर्ता आनंद मिश्रा ने अपनी याचिका में परिवहन विभाग को दिल्ली मोटर वाहन नियम-1993 के नियम 74 को तत्काल प्रभाव से लागू करने का निर्देश देने की मांग की थी।

नई दिल्ली। ऑटो रिक्शा में किराया मीटर लगाने के नियम को लागू करने की मांग वाली जनहित याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को मौखिक रूप से कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करे कि लोग नियम का पालन करें और मीटर के अनुसार ऑटो किराया का भुगतान करें।

मुख्य न्यायाधीश मनमोहन व न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने दिल्ली सरकार को साथ ही जमीनी स्तर पर मीटर से भुगतान के संबंध में रैंडम जांच करने का भी निर्देश दिया।

तीन सप्ताह के अंदर सरकार ले फैसला

उक्त टिप्पणी व निर्देश के साथ अदालत ने याचिकाकर्ता आनंद मिश्रा द्वारा दायर याचिका का निपटारा कर दिया। अदालत ने याचिका को प्रतिवेदन के तौर पर लेकर तीन सप्ताह के अंदर निर्णय लेने का दिल्ली सरकार को निर्देश दिया। याचिका में परिवहन विभाग को दिल्ली मोटर वाहन नियम-1993 के नियम 74 को तत्काल प्रभाव से लागू करने का निर्देश देने की मांग की गई है।

2018 से किराया मीटर लागू नहीं

यह नियम ऑटो रिक्शा/टैक्सियों में किराया मीटर लगाने का प्रावधान करता है। याचिका में कहा गया है कि वर्ष 2018 से किराया मीटर चालू नहीं हैं और प्रतिवादियों ने स्थिति को सुधारने के लिए कोई कदम नहीं उठाया है।

मीटर से नहीं चलने पर यात्री कर सकते हैं शिकायत

इस पर पीठ ने दिल्ली सरकार की तरफ से पेश अधिवक्ता से पूछा कि आखिर लोग मीटर का पालन क्यों नहीं कर रहे हैं। जवाब में अधिवक्ता ने का कि हर ऑटो रिक्शा में एक मीटर होता है, लेकिन आम नागरिक दाम करके उसी हिसाब से किराया देते हैं। मीटर से भुगतान होना सुनिश्चित करने के लिए हर ऑटो रिक्शा में शिकायत संख्या दी गई है और ऑटो चालक द्वारा इससे इनकार करने पर यात्री शिकायत दर्ज करा सकता है।

इस पर पीठ ने कहा कि इसे लागू किया जाना चाहिए और ऐसा नहीं होने पर सरकार को इसकी रैंडम जांच करनी चाहिए। पीठ ने कहा कि आपके पास निरीक्षक हैं और उन्हें जमीनी स्तर पर इसकी जांच कर कार्रवाई करनी चाहिए।

मजबूरी देख ऑटो किराये पर चलती है मनमानी

राजधानी दिल्ली में ऑटो से सफर करना हो और ऑटो चालक आसानी से मीटर से चलने के लिए तैयार हो जाए ऐसा बहुत कम ही होता है। अगर, साथ में परिवार और छोटे बच्चे हो तो किराये का दाम और बढ़ जाता है। जब कोई सवारी मीटर से चलने के लिए बोले तो ऑटो चालक यह कहकर कानूनी कार्रवाई से बचने की कोशिश करते हैं कि वह तो घर जा रहे हैं। या अभी वह आराम करेंगे। नहीं तो आम तौर पर ऑटो चालक पहले ज्यादा कीमत बता देते हैं और फिर मोल-भाव करके ज्यादा किराया वसूल करते हैं।

ज्यादा समस्या उन लोगों के साथ होती है जो या तो दूसरे राज्यों से आए हैं या फिर वह एप आधारित टैक्सियों का उपयोग करना नहीं जानते हैं। रेलवे स्टेशनों और बस अड्डों पर कहने तो ट्रैफिक टैक्सी बूथ हैं लेकिन लोगों को जानकारी नहीं है और न ही सरकार इस संबंध में कोई जागरुकता अभियान चलाती है कि कैसे ऑटो ट्रैफिक टैक्सी बूथ से बुक करा सकते हैं।

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)

TOLWA

website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण

रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मैंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

मध्यप्रदेश में अब सरकारी बसों से सफर होगा आसान

पहले चरण में 300 इलेक्ट्रिक बस चलाने की तैयारी कर रहा लोक परिवहन

परिवहन विशेष न्यूज

भोपाल में लोक परिवहन व्यवस्था को फिर से शुरू करने के लिए 300 इलेक्ट्रिक बसें चलाने की योजना है। इसमें तीन श्रेणी की बसें शामिल होंगी। भारत सरकार से 30% सब्सिडी मिलेगी, और राज्य सरकार भी किराया कम रखने के लिए समर्थन देगी। मुख्यमंत्री इस पहल में रुचि ले रहे हैं।

भोपाल : प्रदेश में लोक परिवहन व्यवस्था फिर से शुरू करने के लिए पहले चरण में 300 इलेक्ट्रिक बसें चलाने की तैयारी है। इसमें तीन श्रेणी की बसें होंगी। 18 सीट वाली मिनी बस, 32 सीट वाली मिडी बस और 52 सीट वाली बड़ी बस। इलेक्ट्रिक बसों के संचालन के लिए भारत सरकार से भी 30 प्रतिशत सब्सिडी मिलेगी। प्राइवेट बसों की तुलना में किराया कम रहे, इसलिए राज्य सरकार भी बसों का संचालन करने वाली कंपनी को सब्सिडी देगी।

राज्य सड़क परिवहन निगम के पास थी 4 हजार बसें

बता दें कि पूर्व में लोक परिवहन व्यवस्था संचालित करने वाले मध्य प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के पास चार हजार बसें थीं, अब उसकी लगभग 10 प्रतिशत बसें पहले

चरण में चलाने की तैयारी है। बसों के संचालन के लिए तकनीकी, वित्तीय व अन्य सुझाव प्राप्त करने के संबंध में विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की जाएगी। इसके लिए शीघ्र ही एजेंसी का चयन किया जाएगा।

बस संचालन को लेकर अहम बातों का फीडबैक

डीपीआर में स्पष्ट हो जाएगा कि बसों के संचालन में क्या दिक्कतें आ सकती हैं और उन्हें कैसे हल किया जा सकता है। इलेक्ट्रिक बसों के लिए चार्जिंग पाइंट कहां होंगे। संचालन करने वाली कंपनी की क्या जिम्मेदारी हो सकती है। किराया कम रहे इसके लिए राशि कहां से मिल सकती है। सरकारी सहायता के अतिरिक्त आय के विज्ञापन या अन्य क्या साधन हो सकते हैं। मानव संसाधन की व्यवस्था किस ढंग से की जाएगी।

मुख्यमंत्री ले रहे दिलचस्पी

बता दें कि मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने लोक परिवहन व्यवस्था फिर से प्रारंभ करने के लिए कहा है। इसके लिए परिवहन विभाग, नगरीय विकास एवं आवास विभाग योजना बना रहे हैं। पुलिस ट्रेनिंग एवं रिसर्च इंस्टीट्यूट (पीटीआरआइ) से भी सुझाव मांगा गया है। अभी इस पर सहमति बनी है कि सरकार पीपीपी माडल की जगह खुद ही परिवहन व्यवस्था का संचालन करेगी। अंतिम निर्णय मुख्यमंत्री की उपस्थिति में होने वाली बैठक में होगा।

रोडवेज की 20 बसों में लगा जीपीएस, इंस्टॉलेशन होना बाकी, लोकेशन पर रहेगी अफसरों की नजर

मंझनपुर डिपो में 20 बसें हैं। इनसे रोजाना करीब ढाई हजार मुसाफिर सफर करते हैं। अभी तक रूटों पर संचालन के दौरान बसों की निगरानी की कोई व्यवस्था नहीं है। स्टेशन से निकलने के बाद चालकों का जब और जहां मन होता है बस रोक देते हैं।

परिवहन निगम ने मंझनपुर डिपो की 20 बसों में जीपीएस ट्रैकिंग डिवाइस लगवा दी हैं। अब इनका इंस्टॉलेशन होना बाकी है। एक सप्ताह में यह काम भी परिवहन निगम पूरा कर लेगा। इसके बाद रूटों पर जाने के बाद भी बसें अफसरों की नजर में होंगी। इससे चालकों की मनमानी पर अंकुश लगेगा। यात्रियों को भी सहूलियत होगी।

मंझनपुर डिपो में 20 बसें हैं। इनसे रोजाना करीब ढाई हजार मुसाफिर सफर करते हैं। अभी तक रूटों पर संचालन के दौरान बसों की निगरानी की कोई व्यवस्था नहीं है। स्टेशन से निकलने के बाद चालकों का जब और जहां मन होता है बस रोक देते हैं।

कई बार सवारियों के चक्कर में बसों का संचालन भी मनमाने तरीके से करते हैं। इन्हीं सब पर अंकुश लगाने के लिए परिवहन निगम ने डिपो की सभी बसों में जीपीएस ट्रैकिंग डिवाइस लगवाई है। इस डिवाइस से अधिकारी अपने दफ्तर में ही बैठकर बसों की लोकेशन आसानी से देख सकेंगे। इस निगरानी के कारण चालक-परिचालक मनमानी नहीं कर पाएंगे। बस के कहीं पर दुर्घटना का शिकार होने पर अधिकारियों व राहत टीम को वहां तक पहुंचने में आसानी होगी।

इसके अलावा बसों में पैनिक बटन भी लगवाया जाएगा। इससे किसी तरह के संकट में यात्री या चालक-परिचालक इस बटन का प्रयोग कर सकेंगे। इस बटन को दबाते ही नजदीकी पुलिस थाने में सूचना पहुंच जाएगी। जीपीएस ट्रैकिंग डिवाइस का इंस्टॉलेशन होना बाकी है। अफसरों का कहना है कि एक सप्ताह के अंदर यह काम भी पूरा हो जाएगा। इसके बाद यह व्यवस्था शुरू हो जाएगी।

मंझनपुर डिपो की रोडवेज बसों में जीपीएस ट्रैकिंग डिवाइस सिस्टम लगा दिए गए हैं। इन्हें इंस्टॉल करने की प्रक्रिया चल रही है। एक सप्ताह के अंदर यह प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। बसों की संचालन व्यवस्था को और चुस्त-दुरुस्त करने में यह जीपीएस डिवाइस सिस्टम काफी कारगर साबित होंगे। -

सीबी राम, एआरएम, लीडर रोड डिपो

इलेक्ट्रिक में तीन तो पेट्रोल वाली गाड़ियों में डेढ़ लाख तक की छूट, धनतेरस-दीवाली पर बढ़ी कारों की डिमांड

अगर आप भी इस दीवाली और धनतेरस कार या बाइक खरीदने का मन बना रहे हैं तो यह खबर बिल्कुल आपके लिए ही है। माना जा रहा कि 25 हजार से अधिक कारों की बिक्री इस त्यौहारी मौसम में होने वाली है। 60 हजार से अधिक दो पहिया वाहनों की बिक्री की उम्मीद जताई जा रही है।

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में धनतेरस व दीपावली के खास मौके पर दो पहिया व चार पहिया वाहनों की मांग में भी काफी उत्साह देखा जा रहा है। खासकर लोग धनतेरस पर गाड़ी की डिलीवरी चाह रहे हैं। ऐसे भी कम नहीं है जो अभी ही कार की सवारी चाह रहे हैं।

ऐसे में कार व दो पहिया वाहन शोरूम में काफी भीड़ भाड़ देखी जा रही है। यह भीड़ नवरात्र के साथ ही शोरूम में पहुंचने लग गई है। विशेषकर एक ही माह में नवरात्र और धनतेरस दोनों पड़ रहा है।

बाजार के जानकारों के अनुसार इस त्यौहारी मौसम में करीब 25 हजार कारों की बिक्री की उम्मीद है। जबकि, 60 हजार से अधिक दो पहिया वाहन बिक जाएंगे। पिछले वर्ष के मुकाबले इस वर्ष वाहनों की मांग में 15 प्रतिशत तक की तेजी देखी जा रही है। विशेषकर 10 लाख रुपये से नीचे की कारों की मांग (Diwali-Dhanters car discount) में अधिक उछाल है। इस वर्ग में मांग 50 प्रतिशत से अधिक है।

शोरूम संचालकों ने भी कर रखी है पूरी तैयारी

मांग को पूरा करने के लिए इस बार वाहन कंपनियों के साथ ही शोरूम संचालकों ने भी पूरी तैयारी कर रखी है। अनुमानित मांग के अनुसार स्टॉक मंगाकर रख लिया गया है। इसलिए अधिकतर बुकिंग के मामलों में डिलीवरी में कोई परेशानी नहीं है। हालांकि, एक प्रमुख कार कंपनी के कुछ एक मॉडल की डिलीवरी में 10 से 15 दिन का अतिरिक्त समय लग रहा है। क्योंकि, उन माडलों की मांग अधिक है।

वहीं, कार कंपनियों ने दीपावली के मद्देनजर ग्राहकों को लुभाने के लिए नए मॉडल और नए फीचर्स भी लाए हैं, जिसको खरीदारों द्वारा पसंद किया जा रहा है। खरीदारों द्वारा वाहनों की खरीद में जेब को ध्यान में रखने के साथ गुणवत्ता और सुरक्षा व स्मार्ट फीचर्स को भी ध्यान में रखा जा रहा है।

सीएनजी पर जोर ज्यादा है। वाहनों की बिक्री से जुड़े दीपक गुप्ता ने कहा कि इस बार डिलीवरी में खास परेशानी नहीं है। क्योंकि, कंपनियों के साथ डीलर्स ने भी भरपूर स्टाक रखा हुआ है।

50 हजार रुपये से लेकर डेढ़ लाख रुपये तक राशि की छूट

आटोमोटिव पार्ट्स मर्चेंट एसोसिएशन (अपमा) के पूर्व प्रधान व वाहनों की बिक्री से जुड़े शंकर लाल अग्रवाल के अनुसार व्यवसायिक व यात्री वाहनों की मांग में पिछले धनतेरस की अपेक्षा अच्छी मांग देखी जा रही है। कंपनियों ने भी अपनी तरफ से ग्राहकों के लिए कई लुभावने पेशकश की है।

जैसे, 50 हजार रुपये से लेकर डेढ़ लाख रुपये तक राशि की छूट है। इसी तरह, यात्री वाहनों में कंपनियों ने दाम घटाए हैं। डीजल व पेट्रोल वाहनों में 50 हजार से लेकर डेढ़ लाख तक तो इलेक्ट्रिक वाहनों में तीन लाख रुपये कम किए हैं।

उनके अनुसार, ऐसा इसलिए क्योंकि, पिछले कई महीनों में बिक्री में गिरावट देखी जा रही थी। ऐसे में दशहरा व दीपावली को देखते हुए कंपनियों के साथ डीलरों ने ग्राहकों को लुभाने के लिए सभी प्रयास किए हैं।

इलेक्ट्रिक वाहनों को लगा झटका

डीजल, पेट्रोल व सीएनजी के अपेक्षाकृत इलेक्ट्रिक वाहनों में कमी देखी जा रही है। इसकी वजह पंजीकरण शुल्क में छूट का नहीं होना है। शंकर लाल अग्रवाल के अनुसार, हरियाणा में पंजीकरण शुल्क में 75 प्रतिशत तक की छूट तथा उत्तर प्रदेश में शत प्रतिशत की छूट से लोग पड़ोसी राज्यों से इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद पर जोर दे रहे हैं। दिल्ली में कोई छूट नहीं है।

कारों की मांग में अच्छी बढ़ोत्तरी देखी जा रही है। यह इसलिए भी कंपनियों ने कई सारे नए माडल पेश किए हैं। खासकर सीएनजी के माडल में भी अच्छी पेशकश है। जिस तरह से बुकिंग हो रही है और मांग निकल रही है। हम उम्मीद कर रहे हैं कि पिछले वर्ष की तुलना में कारों की बिक्री 15 प्रतिशत से भी अधिक रहेगी।

सौरभ अग्रवाल, निदेशक, चेरिश कार्स

100 साल बाद 5 दुर्लभ योग में मनाई जायेगी धनतेरस

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि 29 अक्टूबर को धनतेरस पर तिथि वार और नक्षत्र से मिलकर त्रिपुष्कर नाम का शुभ योग बन रहा है। इस शुभ योग में किए गए निवेश से तीन गुना फायदा मिल सकता है।

गुरु पुष्य के बाद दीपावली से पहले खरीदारी का दूसरा महामुहूर्त धनतेरस 29 अक्टूबर को रहेगा। इस दिन खरीदारी का तीन गुना लाभ देने वाला त्रिपुष्कर के साथ ही लक्ष्मीनारायण योग भी बनेगा। इस दिन सोना-चांदी, बर्तन के साथ भूमि-भवन, इलेक्ट्रानिक सामग्री के साथ ही सभी प्रकार की चल-अचल संपति की खरीदी में निवेश लाभप्रद होगा। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर-जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि धनतेरस 29 अक्टूबर 2024 को होगा। धनतेरस नाम ₹धनऱ और ₹तेरसऱ शब्दों से आया है जहां धन का अर्थ धन और समृद्धि है और तेरस का अर्थ हिंदू कैलेंडर का 13 वां दिन है। इस दिन भगवान धन्वतरि जो स्वास्थ्य के देवता हैं उनकी पूजा की जाती है। इनकी आराधना से रोग से मुक्ति मिलती है। हालाँकि, धनतेरस के दिन कुबेर देव और देवी लक्ष्मी की पूजा करने की भी परंपरा है। इस साल धनतेरस पर 100 साल बाद त्रिग्रही योग यानी त्रिपुष्कर योग, इंद्र योग, वैधृति योग और उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र का महासंयोग बन रहा है।

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि की शुरुआत मंगलवार 29 अक्टूबर को सुबह 10.32 से 30 अक्टूबर को दोपहर 1.16 बजे तक रहेगी। इस दिन त्रिपुष्कर योग बन रहा है। इसमें किए गए कार्य के प्रभाव को तीन गुना बढ़ा देता है। इस योग में शुभ कार्यों को करना उत्तम माना जाता है। साथ ही ऐसे कार्यों, जिसमें हानि संभावित हो उन्हें करने से बचना चाहिए। इसके अतिरिक्त शुक्र पहले से वृश्चिक राशि में है, जबकि धनतेरस पर वृश्चिक राशि में बुध के आने लक्ष्मीनारायण योग भी निर्मित होगा।

धनतेरस पर तीन गुना फायदा देने वाला योग

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि 29 अक्टूबर को धनतेरस पर तिथि वार और नक्षत्र से मिलकर त्रिपुष्कर नाम का शुभ योग बन रहा है। इस शुभ योग में किए गए निवेश से तीन गुना फायदा मिल सकता है। त्रिपुष्कर योग में खरीदारी भी तीन गुना शुभ और फायदेमंद मानी जाती है। इस दिन बिजनेस और शुभ कामों की शुरुआत करनी चाहिए। जो लोग 30 तारीख को खरीदी करना चाहते हैं, उनके लिए अगले दिन सर्वार्थसिद्धि योग में खरीदारी करना भी शुभ फलदायी रहेगा।

धनतेरस तिथि

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि पंचांग के अनुसार कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी तिथि का प्रारंभ 29 अक्टूबर सुबह 10:32 बजे से से होगा। यह तिथि अगले दिन 30 अक्टूबर दोपहर 01:16 बजे तक रहेगी। चूंकि धनतेरस का त्योहार प्रदोष काल में मनाने की परंपरा है, इसलिए यह 29 अक्टूबर को मनाई जाएगी।

त्रयोदशी तिथि प्रारम्भ -29 अक्टूबर सुबह 10:32 बजे से

त्रयोदशी तिथि समाप्त – 30 अक्टूबर दोपहर 01:16 बजे तक

धनतेरस पर शुभ योग

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि धनतेरस पर इस बार 100 साल बाद दुर्लभ संयोग बनने जा रहा है, धनत्रयोदशी यानी धनतेरस के दिन त्रिग्रही योग, त्रिपुष्कर योग, इंद्र योग, लक्ष्मी नारायण योग, शश महापुरुष राजयोग कुल 5 शुभ संयोग बन रहे हैं। ऐसे में पूजा और खरीदारी का विशेष लाभ मिलेगा।

इंद्र योग - 28 अक्टूबर 2024, सुबह 6:48 - 29 अक्टूबर 2024, सुबह 07:48 तक

त्रिपुष्कर योग - 06:31 - सुबह 10:31 (29 अक्टूबर)

लक्ष्मी-नारायण योग - धनतेरस के दिन वृश्चिक राशि में शुक्र और बुध एक साथ विराजमान रहेंगे, ऐसे में लक्ष्मी नारायण योग का निर्माण होगा।

शश महापुरुष राजयोग - धनतेरस पर शनि अपनी मूल त्रिकोण राशि कुंभ में रहेंगे। जिससे शश महापुरुष राजयोग बनेगा, ऐसे में शनि की कृपा भी प्राप्त होगी।

खरीदारी के लिए चौघड़िया

चर : सुबह 9.18 से 10.41 बजे तक।

लाभ : सुबह 10.41 से दोपहर 12.05 और शाम 7.15 से 8.51 बजे तक।

अमृत : दोपहर 12.05 से 1.28 बजे तक।

शुभ : दोपहर 2.51 से 4.15 बजे तक।

प्रदोषकाल में पूजन मुहूर्त 1 घंटा 31 मिनट

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि धनतेरस से पंच पर्व की शुरुआत होगी। भगवान धन्वंतरि के अतिरिक्त सुख-समृद्धि के लिए धन लक्ष्मी और कुबेर का पूजन किया जाता है। इसके साथ अकाल मृत्यु के भय से मुक्ति के लिए यम दीप दान करते हैं। लक्ष्मी-कुबेर पूजन के साथ यम दीप दान के लिए प्रदोषकाल में शाम 6.31 से रात 8.13 बजे तक 1 घंटा 42 मिनट का श्रेष्ठ समय है।

प्रदोषकाल शाम 5.38 से रात 8.13 बजे तक रहेगा।

29 अक्टूबर को धनतेरस पर दीपदान की होगी शुरुआत

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि धनतेरस जिसे धन त्रयोदशी और धन्वंतरि जयंती भी कहते हैं पांच दिवसीय दीपावली का पहला दिन होता है। धनतेरस के दिन से दीपावली का त्योहार प्रारंभ हो जाता है। मान्यता है इस तिथि पर आयुर्वेद के जनक भगवान धन्वंतरि समुद्र मंथन से अमृत कलश लेकर प्रगट हो हुए थे। इसी कारण से हर वर्ष धनतेरस पर बर्तन खरीदने की परंपरा निभाई जाती है। कहा जाता है जो भी व्यक्ति धनतेरस के दिन सोने-चांदी, बर्तन, जमीन-जायजाद की शुभ खरीदारी करता है उसमें तेरह गुना की बढ़ोत्तरी होती है। चिकित्सक अमृतधारी भगवान धन्वन्तरि की पूजा करेंगे। इसी दिन से देवता यमराज के लिए दीपदान से दीप जलाने की शुरुआत होगी और पांच दिनों तक जलाए जाएंगे। लोकाचार में इस दिन खरीदे गए सोने या चांदी के धातुमय पात्र अक्षय सुख देते हैं। लोग नए बर्तन या दूसरे नए सामान खरीदेंगे।

दिवाली पर इन मंत्रों का करें जाप, घर से दूर होगी दरिद्रता और नकारात्मकता

दिवाली का त्योहार पूरे देश में धूमधाम से मनाया जाता है। रोशनी का पर्व दिवाली पर लोग अपने घर को सजाते हैं। हर जगह जगमग-जगमग रोशनी होती है। इसके साथ ही माता लक्ष्मी और गणेश जी पूजा की जाती है। अगर आप भी अपने घर से गरीबी और दरिद्रता दूर करना चाहते हैं तो इन मंत्रों को जाप करें।

दिवाली का त्योहार घर में खुशियां लेकर आता है। इस त्योहार की प्रतीक्षा लगभग हर कोई करता है। दिवाली का त्योहार पूरे देश में धूमधाम से मनाया जाता है। रोशनी का पर्व दिवाली पर लोग अपने घर को सजाते हैं। दिवाली के दिन माता लक्ष्मी और गणेश जी पूजा की जाती है। यदि आप भी किसी परेशानी, गरीबी और दुखों से जूझ रहे हैं, तो ऐसे में आपको दिवाली से पहले कुछ खास उपाय बताए हैं, जिन्हें आप करके वित्तीय कठिनाइयों को दूर सकते हैं। आप इन मंत्रों का जाप करके घर से गरीबी को दूर कर सकते है।

दिवाली पर करें ये उपाय, गरीबी होगी दूर

- गरीबी को दूर भगाने के लिए सबसे पहले अपने मन को शांत रखें और सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखें, जिससे घर में शांति बनी रहती है।

- सुनिश्चित करें कि आपका घर साफ-सुथरा हो, क्योंकि माना जाता है कि देवी लक्ष्मी अशुद्ध स्थानों पर निवास नहीं करती हैं। गरीबी दूर करने का प्रयास करने से पहले किसी भी गंदगी या गंदगी को साफ करें।

- कूड़ादान रखते समय इसे कभी भी अपने घर के मुख्य द्वार के पास न रखें।

- घर को साफ-सुथरा रखने के साथ-साथ अपने घर के मंदिर और मूर्तियों व चित्रों को साफ रखें।

- केले के पेड़ पर जल चढ़ाएं, लेकिन चढ़ाने से पहले जल में काले तिल अवश्य मिलाएं।

- रोज शाम को सूर्यास्त के बाद घर के हर कोने में घी का दीपक जलाएं। सोने से पहले घर की सभी नालियों को साफ करें और उन पर सफेद नमक छिड़कें।

-जब भी संभव हो प्रार्थना एक निजी स्थान पर करें। गरीबी दूर करने के लिए आप कुछ खास मंत्रों का जाप कर सकते हैं।

दरिद्रता दूर करने के मंत्र

घर से दरिद्रता दूर करने के लिए लक्ष्मी मंत्र

- "ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं ॐ महालक्ष्म्यै नमः।"

- "ऐं ह्रीं श्रीं अष्टलक्ष्म्यै ह्रीं सिद्धये मम गृहे आगच्छगच्छ नमः स्वाहा।"

- "ओम श्रीं ह्रीं क्लीं श्री सिद्ध लक्ष्म्यै नमः।"

दरिद्रता दूर करने के हनुमान मंत्र

- "ओम हनुमान बल बुद्धि विद्या देहु मोहि हरहु कालेसा विकार।"

- "ॐ नमो हनुमते रुद्रावताराय विश्वरूपाय अमित विक्रमाय प्रकटपराक्रमाय महाबलाय सूर्य कोटिसमाप्रभाय रामदूताय स्वाहा।"

- "ॐ नमो हनुमते रुद्रावताराय वज्रदेहाय वज्रनाखाय वज्रसुखाय वज्ररोमने वज्रनेत्राय वज्रदंताय वज्रकार्याय वज्रभक्ताय रामदूताय स्वाहा।"

गरीबी दूर करने के लिए दुर्गा मां का मंत्र

-"ओम दुम दुर्गाये नमः।"

-ष्या देवी सर्व भूतेषु शक्ति रूपेण संस्थिता, नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।ष

- "दुर्गा देवी नमस्तुभ्यं सर्वकामार्थसाधिके। मम सिद्धिं असिद्धिम वा स्वप्ने सर्वं प्रदर्शय।"

-श्ओम जयन्ती मंगला काली भद्रकाली कपालिनी दुर्गा क्षमा शिवाधात्री स्वाहा स्वधा नमोस्तुते।श

दरिद्रता दूर करने वाले शिव मंत्र

- "दारिद्र्य दुःख दहनाय नमः शिवाय।"

- "श्री अखंडानंद बोधाय शोकसंतपहारिणे। सच्चिदानंदस्वरूपाय शंकराय नमो नमः।"

इन मंत्रों को जाप करने से व्यक्ति गरीबी के कारण होने वाली कठिनाइयों को कम कर सकता है और अपने जीवन में समृद्धि ला सकता है।

जब शनिदेव की वक्रदृष्टि के प्रकोप से महादेव भी नहीं छुड़ा पाए थे पीछा, जानिए ये अद्भुत घटना

देवों के देव महादेव ने शनिदेव को कर्मफल दाता और पूजनीय बनने का वरदान दिया था। लेकिन एक बार जब भगवान शंकर पर शनिदेव की वक्रदृष्टि पड़ी, तो वह भी वक्रदृष्टि से पीछा नहीं छुड़ा पाए थे।

हिंदू धर्म में शनिदेव को न्याय का देवता माना जाता है। बताया जाता है कि जो भी व्यक्ति गरीब, मजदूरों, पशु-पक्षियों और वंचितों पर अत्याचार करता है, उस पर शनिदेव की वक्रदृष्टि जरूर पड़ती है। शनिदेव न्यायाधीश हैं, जो कर्मों के आधार पर न्याय करते हैं। इसके बाद भी शनिदेव को क्रूर देवता माना जाता है। आमतौर पर लोग शनिदेव का नाम लेते ही डर जाते हैं। क्योंकि शनिदेव देवी-देवता और मनुष्य में बिना भेदभाव किए न्याय करते हैं।

देवों के देव महादेव ने शनिदेव को कर्मफल दाता और पूजनीय बनने का वरदान दिया था। लेकिन एक बार जब भगवान शंकर पर शनिदेव की वक्रदृष्टि पड़ी, तो वह भी वक्रदृष्टि से पीछा नहीं छुड़ा पाए थे। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको भगवान शिव पर शनिदेव की वक्री दृष्टि पड़ने की कथा के बारे में बताने जा रहे हैं।

सूर्य पुत्र हैं शनिदेव

बता दें कि न्याय के देवता शनिदेव भगवान सूर्य देव और माता छाया के पुत्र हैं। वहीं शनि देव मृत्यु के देवता यम के भाई हैं और शनिदेव को कर्मों का देवता माना जाता है। वहीं यम देव मृत्यु के बाद फैसला सुनाते हैं। शनिदेव का प्रिय पक्षी कौआ है और भगवान शिव ने शनिदेव को यह वरदान दिया था कि उनको ग्रहों में श्रेष्ठ माना जाएगा। वहीं पिता सूर्य देव की तरह शनिदेव की भी पूजा होगी। साथ ही महादेव ने यह भी वरदान दिया था कि शनिदेव न्याय के देवता और कर्मफल दाता कहलाएंगे।

जब महादेव पर पड़ी शनिदेव की वक्रदृष्टि

एक बार शनिदेव महादेव के धाम कैलाश पहुंचे, तो उन्होंने शिव को प्रणाम कर उनसे कहा कि प्रभु मैं कल आपकी राशि में आने वाला हूं, जिसका अर्थ है कि आप पर मेरी वक्रदृष्टि पड़ने वाली है, ऐसे में आप इसके लिए तैयार रहें।

वक्रदृष्टि से बचने के लिए महादेव ने लिया हाथी का रूप

शनिदेव की दृष्टि से बचने के लिए अगले दिन महादेव मृत्युलोक आए और उन्होंने वक्रदृष्टि से बचने के लिए हाथी का रूप धारण कर लिया। शाम होने पर भगवान शिव ने सोचा कि अब कई दिन बीत चुके हैं और शनिदेव की दृष्टि का भी उन पर कोई असर नहीं हुआ। यह सोचकर फिर भगवान शिव कैलाश वापस लौट आए।

विफल हो गई महादेव की योजना

जैसे ही भगवान शिव प्रसन्न मुद्रा में कैलाश पर्वत पर पहुंचे, तो उन्होंने वहां पर शनिदेव को उनका इंतजार करते पाया। महादेव को देखकर शनिदेव ने उनको हाथ जोड़कर प्रणाम किया। तब महादेव ने कहा कि शनिदेव आपकी दृष्टि का मुझ पर कोई असर नहीं हुआ और अब तो काफी समय बीत चुका है।

शनिदेव के न्याय से प्रसन्न हुए महादेव

शनिदेव ने महादेव से कहा कि यदि आपको वक्रदृष्टि से बचना है, तो आपको सवा प्रहर के लिए देव योनी को छोड़कर पशु योनी में जाना होगा। ऐसे में भगवान शिव शनिदेव की न्यायप्रियता से बहुत प्रसन्न हुए और उन्हें हृदय से लगा लिया।

घुमक्कड़ लोग जिंदगी में एक बार गोवा जरुर जाएं, वाटर स्पोर्ट्स से लेकर गोवा नाइट लाइफ एन्जॉय करें

यदि आपको घूमने का शौक है और नई-नई जगहों को एक्सप्लोर करने का शौक है तो आप अपने दोस्तों के साथ गोवा घूमने जरुर जाएं। गोवा नाइट लाइफ से लेकर वाटर स्पोर्ट्स दोस्तों के साथ करने का एक अलग ही मजा आता है।

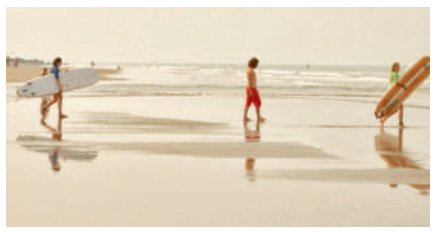

घुमक्कड़ लोग नई जगह की तलाश में घूमने-फिरने के लिए चल देते हैं। अगर आपको भी घूमने-फिरने का शौक है, तो जीवन में एक बार गोवा घूमने जरुर जाना चाहिए। गोवा अपने सुंदर बीच और बीच के किनारे, बाजार और शानदार नाइटलाइफ के लिए जाना जाता है। यदि आप अपने दोस्तों के साथ जा रहे हैं, तो गोवा जरुर जाएं। यहां मौज-मस्ती करने के लिए कई सारी जगहें है।

वाटर स्पोर्ट्स का मजा लें

यदि आप गोवा जा रहे हैं, तो यहां पर वाटर स्पोर्ट्स का मजा जरुर लें। यहां पर होने वाली एक्टिविटीज हमेशा पर्यटकों और एडवेंचर लवर्स को खूब आकर्षित करती हैं। गोवा में आप काईट सर्फिंग, बनाना राइड्स, स्नोर्केलिंग, पैरासेलिंग और पैराग्लाइडिंग, स्कूबा डाइविंग और कई मजेदार एक्टिविटीज का मज लिया जा सकता है।

गोवा की नाइट लाइफ को करें एंजॉय

गोवा नाइटलाइफ के लिए भी जाना जाता है। यहां कई ऐसे बीचेस हैं, जहां रोज शाम को डीजे पार्टी होती है और विदेशी पर्यटकों की काफी भीड़ लगी रहती है। गोवा में कई जगहों पर पार्टी के लिए एंट्री रात 10 बजे के बाद भी होती है।

गोवा के मार्केट को एक्सप्लोर करें

गोवा की मार्केट में बाकी बाजारों से बेहद हटके है। यहां पर आपको कई सारी एंटीक चींजे आसानी से देखने को मिल जाएगी। यहां पर आप बोहो और जूट के पर्स ले सकते हैं। इसके अलावा अगर आप व्हाइट ड्रेस खरीदना चाहते हैं।

जायकेदर खाना

यदि आप नॉन वेजिटेरियन लवर है तो गोवा के खाने को चखने से आप चूक नहीं सकते हैं। यहां पर आपको नॉन वेज की अलग-अलग वैरायटी खाने के मिल जाएगी।

वजन को घटाने में रामबाण से कम नहीं है शकरकंद, स्किन होगी ग्लोइंग , डाइट में करें शामिल

शकरकंद पोषक तत्वों से भरपूर एक सब्जी है जिन्हें डॉक्टर उनके स्वास्थ्य लाभों के लिए खाने की सलाह देते हैं। शकरकंद को आहार में शामिल करना बेहद फायदेमंद और अत्यधिक लाभकारी है। यदि आप अपने बढ़ते हुए वजन से परेशान हैं तो आप शकरकंद के माध्यम से वजन को कंट्रोल कर सकते हैं।

इस मौसम में शकरकंदी बाजारों में मिलने लगती है। आप घर में शकरकंद लेकर स्वादिष्ट चाट बनाकर भी खा सकते हैं। शकरकंद न केवल स्वादिष्ट होते हैं बल्कि पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं, जो वजन घटाने में भी काफी मदद करते हैं। विटामिन, खनिज और फाइबर से भरपूर, शकरकंद कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है जो आपके वजन घटाने की यात्रा में सहायता कर सकता है।

उच्च मात्रा में फाइबर होता है

शकरकंद में हाई मात्रा मे फाइबर मौजूद होता है और यह विशेष रुप से घुलनशील फाइबर होता है। इसके सेवन से भूख की लालसा कम हो जाती है और आप भूख को कम करके वजन को कम किया जा सकता है। जब आप शकरकंद जैसे उच्च फाइबर वाले खाद्य पदार्थों का सेवन करते हैं, तो आपके अधिक खाने की संभावना कम हो जाती है, जिससे आपको वजन घटाने के लिए आवश्यक कैलोरी की कमी को बनाए रखने में मदद मिलती है। इसके अतिरिक्त, फाइबर पाचन में सहायता करता है और रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करता है, जिससे लालसा पैदा होने वाली स्पाइक्स को रोका जा सकता है।

कैलोरी कम होती है

पोषक तत्वों से भरपूर शकरकंद में कैलोरी बहुत कम होती है। माध्यम आकार की शकरकंद में करीब 100-200 कैलोरी होती है, जो इसे संतोषजनक कैलोरी वाला विकल्प बनाता है। यदि आप उच्च कैलोरी वाले खाद्य पदार्थों की जगह शकरकंद लेंगे तो आप अपने दैनिक कैलोरी लक्ष्यों का पार कर पाएंगे और आसानी से वजन भी कम कर सकते हैं।

पोषक तत्वों से भरपूर

शकरकंद आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर होता है, जिसमें विटामिन ए, सी, और बी 6, पोटेशियम और मैंगनीज शामिल हैं। विटामिन ए, विशेष रूप से, स्वस्थ त्वचा और दृष्टि को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है, जबकि पोटेशियम रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद करता है। शकरकंद जैसे पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों का सेवन यह सुनिश्चित करता है कि आपको वजन कम करने और समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के दौरान आपके शरीर को आवश्यक विटामिन और खनिज प्राप्त हों।

ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करता है

शकरकंद में सबसे ज्यादा कार्बोहाइड्रेट मौजूद होती है, जो धीरे-धीरे पचते हैं, इससे रक्तप्रवाह में ग्लूकोज धीरे-धीरे जारी होता है। शकरकंद रक्त शर्करा के स्तर को स्थिर नियंत्रित करता है। इसके साथ ही भूख को कम करने और एनर्जी से भरपूर रखता है। यह भूख की लालसा को भी प्रबंधित करता है और आपको एनर्जिटक बनाएं रखता है। इसके साथ ही वजन कम करने में सहायक है।

स्वस्थ त्वचा को बढ़ावा देता है

वजन घटाने के लाभों के अलावा, शकरकंद अपनी उच्च बीटा-कैरोटीन मौजूद होता है, जो स्वस्थ त्वचा में योगदान देता है। यह एंटीऑक्सीडेंट शरीर में विटामिन ए में परिवर्तित हो जाता है, जो त्वचा के स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। स्वस्थ त्वचा को बढ़ावा देकर, शकरकंद आपको वजन कम करने के साथ-साथ अधिक आत्मविश्वास महसूस करने में मदद कर सकता है।

चेहरे के दाग-धब्बे होंगे दूर, कद्दू के बीजों करें स्किन केयर, पाएं बेदाग त्वचा

फेस्टिव सीजन में खिली-खिली त्वचा पाने के लिए है। न जानें हम सभी क्या-क्या नहीं करते हैं। लेकिन फिर भी चेहरे पर ग्लो नजर नहीं आता है। अगर आप घरेलू उपाय के माध्यम से चेहरे पर निखार ला सकते हैं। कद्दू के बीजों के मदद से आप चेहरे के दाग-धब्बे को दूर कर सकते हैं। कद्दू के बीजों में बहुत से पोषक तत्व पाए जाते हैं। इन बीज को खाने और स्किन केयर के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

कद्दू के बीजों में होते पोषक तत्व

कद्दू के बीज में ओमेगा-3 फैटी एसिड, मैग्नीशियम, बीटा कैरोटीन, जिंक, विटामिन-ए, ई और सी जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, स्किन के लिए फायदेमंद है।

कैसे बनाएं कद्दू का फेस पैक?

कद्दू का फेस पैक बनाने के लिए आप कद्दू के बीज, छोटा-सा टुकड़ा कद्दू, शहद और सेब का सिरका को साथ मिलाकर अच्छे से पेस्ट बना लें। इसके बाद चेहरे को अच्छे से क्लीन करके इस पैक को 15-20 मिनट के लिए चेहरे और गर्दन पर लगा लें और धो लें। इसे हफ्ते में 1-2 बार लगाया जा सकता है।

इस फेस पैक को लगाने के फायदे

एजिंग को दूर करता

कद्दू के बीजों में विटामिन-ई पाया जाता है, जो फेस पैक के लगाने से चेहरे की फाइन लाइन्स और झुर्रियों जैसे एजिंग के लक्षणों से बचाव करने में मदद मिलती है।

दाग-धब्बे को कम करता

कद्दू के बीज में कई पोषण तत्व पाए जाते हैं। इस फेस पैक को लगाने से पिंपल्स, मुंहासों और दाग-धब्बों को कम करने के लिए मदद करता है। स्किन के लिए भी यह काफी फायदेमंद होता है।

स्किन को सॉफ्ट बनाए

कद्दू के बीज के फेस पैक का लगाने से स्किन की ड्राईनेस दूर होती है। इसके साथ ही स्किन को हाइड्रेट रखता है और साथ ही मॉइस्चराइज करता है। यह एक्सट्रा ऑयल को कम करता है, पोर्स को बंद करता है, मुंहासों, ब्लैकहेड्स को दूर करता है।

चेहरे में निखार आता है

कद्दू के बीजों में एंटी-ऑक्सीडेंट के गुण भी मौजूद होते हैं। इस फेस पैक को लगाने से स्किन को यंग बनाने और त्वचा में निखार लाने के लिए सबसे बेस्ट है।

दिल्ली में फिर गरजा बुलडोजर, पुलिस और MCD की संयुक्त कार्रवाई में हटाए गए अवैध कब्जे

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली के खजूरी चौक से श्रीराम कॉलोनी रोड तक दोनों तरफ के अतिक्रमण को नगर निगम और पुलिस ने हटाया। इस दौरान रेहड़ी-पटरी वालों ने विरोध किया लेकिन कार्रवाई जारी रही। करीब दो किलोमीटर के हिस्से को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। फुटपाथ पर बनी अस्थायी दुकानों को बुलडोजर से तोड़ा गया और कई रेहड़ियां जब्त की गईं। अनधिकृत रूप से खड़े वाहनों का चालान भी किया गया।

पूर्वी दिल्ली। नगर निगम ने दिल्ली पुलिस के साथ मिलकर शनिवार को खजूरी चौक से श्रीराम कालोनी रोड तक दोनों तरफ अतिक्रमण हटाया। इस दौरान रेहड़ी-पटरी लगाने वालों ने विरोध किया। लेकिन किसी की एक न चली। निगम और पुलिस की टीम ने करीब दो किलोमीटर का हिस्सा अतिक्रमण मुक्त कराया गया।

इस दौरान फुटपाथ पर बनी अस्थायी दुकानों बुलडोजर से तोड़ा गया। फल व अन्य सामान की कई रेहड़ियां जब्त की गईं। अनधिकृत रूप से खड़े वाहनों के कारण जाम लग रहा था, ऐसे वाहनों का चालान भी किया गया।

ऑटो और रेहड़ी से रोज लगता है जाम

उत्तर पूर्वी दिल्ली में खजूरी चौक पर सबसे ज्यादा जाम रहता है। ऑटो और रेहड़ी की वजह से यहां पर रोज जाम की स्थिति बन रही थी। इसे लेकर लगातार शिकायतें निगम के शाहदरा उत्तरी जोन और पुलिस के पास पहुंच रही थीं। इसके चलते दोनों ने मिलकर शनिवार को अभियान चलाया। कार्रवाई शुरू होते ही रेहड़ी लगाने वालों में अफरा-तफरी मच गई। वह अपनी रेहड़ी लेकर जाने लगे।

अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाया गया

इस चौक के आसपास कई लोगों ने फुटपाथ पर अस्थायी रूप से दुकानें बना रखी थीं, उसके आगे वह सामान रखते थे। इनकी दुकानों को तोड़ दिया गया गया। यहां से टीम पुश्ता रोड पर आगे बढ़ी। वहां श्रीराम कॉलोनी रोड तक सड़क के दोनों ओर अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाया गया।

पूर्वी दिल्ली में भी हटाया गया था अतिक्रमण

इससे पहले, पूर्वी दिल्ली में रेहड़ी पटरी हटाने के साथ ही दुकानदारों ने अपनी दुकानों के बाहर जो अतिक्रमण किया तो उसे हटा दिया गया है। दो किलोमीटर क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त किया गया है। स्पष्ट किया आगे भी अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

सदर बाजार में भी अतिक्रमण से रहती है अव्यवस्था

सदर बाजार थाने के इंस्पेक्टर और 11 पुलिस कर्मियों के लाइन हाजिर किया गया था। इसके बाद भी सदर बाजार क्षेत्र को रेहड़ी पटरी वालों के अतिक्रमण से पूरी तरह से राहत नहीं मिली है। विशेषकर पुल मिठाई पर वर्षों से जमे रेहड़ी-पटरी वाले नासूर बन गए हैं। मामले के जानकारों के अनुसार सदर बाजार में अतिक्रमण की तरह ही पुल मिठाई से अतिक्रमण के चलते खरीदारों के साथ ही दुकानदारों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

'तंदूर को या तो सीएनजी में बदल लें, नहीं तो...'; MCD ने रेस्तरां मालिकों को दी चेतावनी

दिल्ली में वायु प्रदूषण का प्रकोप दिन पर दिन बढ़ता ही जा रहा है। वहीं दूसरी ओर इस पर राजनीति भी हो रही है। प्रदूषण को देखते हुए ग्रेप का दूसरा चरण लागू हो गया है। ऐसे में एमसीडी ने नियमों का उल्लंघन करने वाले रेस्तरां संचालकों के खिलाफ एक्शन के मूड में नजर आ रही है। उन्हें तंदूर को CNG में बदलने को कहा गया है।

नई दिल्ली। दिल्ली में वायु प्रदूषण के मद्देनजर ग्रेप का दूसरा चरण लागू हो गया है। ऐसे में धूल से लेकर कूड़े में आग लगाने की घटनाओं को रोकने के लिए एजेंसिया तमाम दावे कर रही है। इस बीच तंदूर में लकड़ी और कागज आदि जलाने पर प्रतिबंध है। इसको देखते हुए एमसीडी ने नियमों का उल्लंघन करके संचालित होने वाले तंदूरों के खिलाफ विशेष अभियान छेड़ दिया है।

ग्रेप का दूसरा चरण लागू होने के बाद एमसीडी 9 रेस्तरां संचालकों के खिलाफ चालान की कार्रवाई की है जबकि 38 तंदूर को नष्ट कर दिया है और 54 रेस्तरां में तंदूरों को सीएनजी में तब्दील करा दिया है। इसकी संख्या को बढ़ाने के लिए एमसीडी की टीम लगातार रेस्तरां का निरीक्षण कर रही है और कोशिश कर रही है किसी भी रेस्तरां में लकड़ी का तंदूर में जलाने के लिए उपयोग न किया जाए।

रेस्तरां संचालकों को सीएनजी आधारित तंदूर का उपयोग की सलाह

एमसीडी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि तंदूरों का उपयोग प्रतिबंधित हैं। इसलिए रेस्तरां संचालकों को सीएनजी आधारित तंदूर का उपयोग की सलाह दी जा रही है। साथ ही नोटिस देने की कार्रवाई भी की जा रही है। जो रेस्तरां संचालक नोटिस के बाद भी सीएनजी में तंदूर को तब्दील नहीं करेंगे उन रेस्तरां को सील करने की कार्रवाई की जाएगी।

अधिकारी ने आगे बताया कि एमसीडी ने सड़क किनारे पटरी पर खाना बेचने वाले और चार का नान वेज को बनाने के लिए तंदूर का उपयोग करने वालों के तंदूर को तोड़ा जा रहा है। पुनः तंदूर का उपयोग वहां पर शुरू न हो जाए इसके लिए बार-बार निगरानी भी की जा रही है।

एमसीडी अधिकारी ने बताया कि 1000 से अधिक स्थानों रेस्तरां और स्थानों का निरीक्षण किया जा चुका है। एमसीडी की रिपोर्ट के अनुसार तंदूरों के खिलाफ सर्वाधिक कार्रवाई केशवपुरम जोन में की गई है।

शहीद शांति स्वरूप शर्मा की प्रतिमा लिबासपुर गाँव में लगाने की मांग : प्रोफेसर सुमन

सुषमा रानी

फोरम ऑफ एकेडेमिक्स फॉर सोशल जस्टिस के चेयरमैन प्रोफेसर हंसराज सुमन ने दिल्ली के उप राज्यपाल व दिल्ली की मुख्यमंत्री से बाहरी दिल्ली के बादली विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले लिबासपुर गाँव के चीन - भारत युद्ध में शहीद हुए शहीद शांति स्वरूप शर्मा की प्रतिमा लिबासपुर गाँव में स्थापित करने की मांग की है । साथ ही उन्होंने दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी को एक प्रस्ताव भी भेजा है जिसमें लिबासपुर गाँव में नव निर्मित सीनियर सेकेंडरी स्कूल का नाम शहीद शांति स्वरूप शर्मा के नाम पर रखने की मांग की है । प्रोफेसर सुमन का कहना है कि यदि दिल्ली सरकार इनके नाम पर स्कूल का नाम व उनकी प्रतिमा स्थापित करती है तो उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी और भावी पीढ़ी ऐसे महान योद्धा से प्रेरणा लेंगी । उन्होंने उप राज्यपाल व केंद्र सरकार से मांग की है कि शहीद शांति स्वरूप शर्मा के परिवार को उनके बेटे को एक शहीद के रूप में सरकार से मिलने वाली आर्थिक सहायता प्रदान की जाए ।

उन्होंने बताया है कि लिबासपुर गाँव निवासी शहीद शांति स्वरूप शर्मा माध्यमिक शिक्षा पूर्ण कर सैनिक के रूप में भर्ती हो गए । ये राजपूत रेजिमेंट में बतौर सैनिक के पद पर रहे । सन 1967 में जब चीन और भारत का युद्ध हुआ तो इनके साथियों ने चीन से लोहा लिया । चीन - भारत युद्ध में शहीद होने वाले भारतीय सैनिकों में से एक थे , बताया जाता है कि उस युद्ध में उन्होंने चीन के बहुत से सैनिकों को मार गिराया था , ये घायल अवस्था में चीन सैनिकों को सबक सिखाते हुए अंत में 12 सितम्बर 1967 को शहीद हो गए । प्रोफेसर सुमन ने बताया है कि गाँव लिबासपुर में उनके परिवार के लोगों ने ओबीसी बैंक गली में उनकी प्रतिमा स्थापित की

है । गाँव की युवा पीढ़ी को इस महान योद्धा के विषय में जानकारी नहीं हैं । प्रोफेसर सुमन ने बताया है कि वे इसी गाँव के मूलनिवासी हैं और जब से उनके विषय में पता चला है वे आसपास के गाँव वालों को शहीद शांति स्वरूप शर्मा के विषय में बताते है कि किस प्रकार लिबासपुर गाँव के इस महान योद्धा ने चीन - भारत युद्ध में लड़ते हुए चीन सैनिकों को मार गिराया था । उनके कई साथी मारे गए अंत में वे चीन सैनिकों की गोली का शिकार हुए , प्राणों की आहुति दे देश की मातृभूमि के लिए शहीद हो गए ।

उन्होंने बताया है कि लिबासपुर गाँव के लोगों का देश की आजादी में महत्वपूर्ण योगदान रहा है , अलीपुर कांड व गाँव में बने पंचपीर उन शहीदों की याद दिलाता है । इसके आसपास धौलाकुंआ , अड़ाना , समयपुर , बादली आदि गांवों का इतिहास आजादी के आंदोलन में दर्ज है । इसलिए आवश्यक है कि वर्तमान पीढ़ी इस महान योद्धा के विषय में जाने । फोरम पुनः उप राज्यपाल व मुख्यमंत्री से मांग करता है कि शहीद शांति स्वरूप शर्मा की प्रतिमा लिबासपुर गाँव में स्थापित करने व सीनियर सेकेंडरी स्कूल का नाम उनके नाम पर रखा जाए । उन्होंने मुकरबा चौक से लिबासपुर गाँव तक आने वाली मुख्य सड़क का नाम शहीद शांति स्वरूप शर्मा के नाम पर रखें जाने की मांग दोहराई है ।

दिल्ली में प्रदूषण का कहर, 13 इलाकों की हवा हुई जहरीली; जानें आनेवाले दिनों में कैसा रहेगा AQI

दिल्ली में हवा की गुणवत्ता लगातार खराब होती जा रही है। राजधानी के 36 प्रदूषण निगरानी केंद्रों में से 13 जगहों पर एयर इंडेक्स 300 से अधिक पहुंच गया है। इस वजह से इन इलाकों में हवा की गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में पहुंच गई है। सीपीसीबी के अनुसार हवा की गति कम होने से रविवार को प्रदूषण के स्तर में बढ़ोतरी होने की आशंका है।

नई दिल्ली। राजधानी में लगातार दूसरे दिन एयर क्वालिटी इंडेक्स 300 से कम रहने से हवा की गुणवत्ता खराब श्रेणी में बरकरार रही। लेकिन देर शाम से एयर इंडेक्स बढ़ना शुरू हो गया। इस वजह से शाम सात बजे दिल्ली के 36 प्रदूषण निगरानी केंद्रों में से 13 जगहों पर एयर इंडेक्स 300 से अधिक पहुंच गया। इस वजह से इन इलाकों में हवा की गुणवत्ता खराब श्रेणी में पहुंच गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार हवा की गति कम होने से रविवार को प्रदूषण के स्तर में बढ़ोतरी होने की आशंका है। इस वजह से रविवार से मंगलवार तक दिल्ली में हवा की गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में रह सकती है। सीपीसीबी द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली का एयर इंडेक्स 255 रहा। एक दिन पहले दिल्ली का एयर इंडेक्स 270 था। इसके मुकाबले एयर इंडेक्स में 15 अंकों का सुधार हुआ लेकिन देर शाम से एयर इंडेक्स बढ़ना शुरू हो गया। इस वजह से आनंद विहार, अलीपुर, अशोक विहार, बवाना, जहांगीरपुरी, मुंडका, नेहरू नगर, पंजाबी बाग, रोहिणी, शादीपुर, सोनिया विहार, विवेक विहार व वजीरपुर में एयर इंडेक्स 300 से अधिक पहुंच गया। वहीं एनसीआर के शहरों में गाजियाबाद, ग्रेटर नोएडा व नोएडा में हवा की गुणवत्ता खराब श्रेणी में रही। गुरुग्राम व फरीदाबाद में प्रदूषण से एयर इंडेक्स मध्यम श्रेणी में रहा। इस वजह से इन दोनों इलाकों में प्रदूषण से राहत रही।

विरेन्द्र सचदेवा की यमुना में डुबकी केजरीवाल सरकार के दावों की विफलताओं को उजागर कर दिया : देवेन्द्र यादव

सुषमा रानी

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण में चौतरफा फेल आम आदमी पार्टी की दिल्ली सरकार घोषणा करने, अधिकारियों की तैनाती करने, ड्रोन द्वारा निगरानी रखने जैसे काम तो कर रही है परंतु प्रदूषण पूरी तरह कैसे नियंत्रित किया जाए, इस पर किसी भी तरह से ध्यान नही दिया जा रहा है। जनता दिल्ली में प्रदूषण कम होने का इंतजार कर रही है जबकि सरकार प्रदूषण के 13 हॉटस्पॉट गिनाकर उन पर निगरानी रखने बात कर रही है। यह चिंताजनक है कि राजधानी गैस चैंबर बन चुकी है। आनन्द विहार में जहां एक्यूआई 401 के साथ पूरी दिल्ली में ए.क्यू.आई. गंभीर स्तर पर बना हुआ है।

यादव ने कहा कि दिल्ली भाजपा अध्यक्ष विरेन्द्र सचदेवा का यमुना के जहरीले पानी में डुबकी लगाने का साहस उनके लिए जोखिम भरा कदम साबित हुआ। डुबकी लगाने पर सचदेवा त्वचा संबंधी रोग से ग्रसित हो गए और इलाज के लिए अस्पताल जाना पड़ा। सचदेवा की यमुना में डुबकी ने यमुना के जहरीले पानी की सच्चाई को सबके सामने उजागर तो कर दिया लेकिन भाजपा ऐसे राजनीतिक स्टंट चुनावों के दौरान ही क्यों करती है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री आतिशी के लाख दावों के बावजूद दिल्ली का प्रदूषण कम नही हो पाया है और दिल्ली के प्रदूषण में टूटी सड़कों से उड़ने वाली धूल और गड्ढों, वाहन से निकलने वाला धुआं और पराली राजधानी में प्रदूषण का मुख्य कारण है जिस पर नियंत्रण पाने में सरकार पूरी तरह विफल रही है। उन्होंने कहा कि जहां केजरीवाल ने सड़क निरीक्षण को इंवेट बनाकर आतिशी के साथ ऐलान किया था कि 31 अक्टूबर तक दिल्ली की सभी सड़के बन जाऐंगी, लेकिन पीडब्लूडी द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार अक्टूबर में प्रतिदिन टूटी सड़कों की 30 और गड्ढों की 120 शिकायतें प्रतिदिन मिल रही है। सितंबर में जहां 1059 शिकायते मिली अक्टूबर में शिकायतें 2700 से अधिक हो चुकी है। दिल्ली की सड़के बनाना तो दूर पीडब्लूडी टूटी सड़कें और गड्ढे भरने में ही नाकाम साबित हो रही है।

यादव ने कहा कि यह चिंताजनक है कि दमघोटू प्रदूषण अब जानलेवा होने वाला साबित हो सकता है। लोगां को सांस लेने की समस्या के साथ जहां आखों में जलन की अधिक मामले सामने आ रहे है वहीं खांसी जुकाम, तेज सरदर्द के मरीजों की संख्या में 25 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है और दो हफ्तों में मामले दुगने पहुँच गए हैं। ऐसा पहली बार है कि प्रदूषण के कारण बुजुर्गों, बच्चों, महिलाओं के साथ युवाओं को भी अधिक परेशानी झेलनी पड़ रही है। अस्पतालों में प्रदूषण के कारण 15 प्रतिशत मरीजों की संख्या बढ़ गई है।

उन्होंने कहा कि प्रदूषण का कहर इतना बढ़ गया है कि स्कूलों में आउटडोर एक्टीविटी बंद कर दी गई है, प्रत्येक वर्ष प्रदूषण के कारण स्कूल दिसम्बर/जनवरी में बंद करने पड़ते है, परंतु पहला मौका है कि अक्टूबर में स्कूल प्रदूषण के कारण प्रभावित हुए है। प्रदूषण का कहर इतना गंभीर हो चुका है कि केन्द्र सरकार ने सार्वजनिक वाहन उपयोग करने की एडवाईजरी जारी करनी पड़ी। फसल के अवशेषों, कचरा जलाने से रोकने, त्यौहारों पर पटाखों के उपयोग न करने और डीजल जनरेटर पर निर्भरता को कम करने का कहा है, परंतु दिल्ली सरकार द्वारा ग्रेप-2 लागू करने के बावजूद प्रदूषण करने में पूरी तरह से नाकाम साबित हुई है।

IGI एयरपोर्ट पर बम की अफवाह फैलाने वाला आरोपी दिल्ली से गिरफ्तार

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली पुलिस ने आइजीआई एयरपोर्ट को धमकी देनेवाले एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने एक बयान में कहा हम लोगों को आश्वस्त करते हैं कि सभी आवश्यक सुरक्षा उपाय किए गए हैं और चिंता की कोई बात नहीं है। हम सभी को सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना अधिकारियों को देने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

पश्चिमी दिल्ली। टीवी पर उड़ानों में बम की खबर देखने के बाद उत्तम नगर इलाके के एक युवक ने भी सोशल मीडिया पर बम की झूठी अफवाह फैला दी। उसे लग रहा था कि वह ऐसा करके फेमस हो जाएगा, लेकिन पुलिस ने उसे 24 घंटे में ही पकड़ लिया। आरोपित की पहचान उत्तम नगर के राजापुरी के शुभम उपाध्याय के रूप में हुई है। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार रात को इंटरनेट मीडिया के माध्यम से आइजीआई एयरपोर्ट को उड़ान में बम की धमकी दी गई थी। सूचना मिलते ही पुलिस एक्शन में आई और सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया। प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान बम की सूचना अफवाह निकली।

ध्यान आकर्षित करने के लिए आरोपी ने उठाया कदम

धमकी उत्तम नगर के शुभम उपाध्याय नाम के खाते से भेजी गई थी। तकनीकी निगरानी के आधार पर आरोपित को राजापुरी से पकड़ लिया गया। पूछताछ के दौरान आरोपित ने बताया कि उसने टीवी पर इसी तरह की खबर देखने के बाद अपनी ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए ऐसा किया। उपाध्याय 12वीं पास है और बेरोजगार है।

दिल्ली पुलिस ने एक बयान में कहा, "हम लोगों को आश्वस्त करते हैं कि सभी आवश्यक सुरक्षा उपाय किए गए हैं और चिंता की कोई बात नहीं है। हम सभी को सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना अधिकारियों को देने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।"

छत्तीसगढ़ से एक किशोर हिरासत में

बता दें, 16 अक्टूबर को मुंबई पुलिस ने छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव से 17 वर्षीय स्कूल छोड़ने वाले एक लड़के को 14 अक्टूबर को चार फ्लाइट्स को धमकी देने के आरोप में हिरासत में लिया था। पैसे को लेकर एक दोस्त के साथ विवाद के बाद किशोर ने कथित तौर पर उसके नाम से एक एक्स हैंडल बनाया और उसे फंसाने के लिए धमकियां दी थी।

प्रदूषण के विरुद्ध हेड बॉर्डर तिहाड़ जेल के नेतृत्व में अभियान

सुषमा रानी

नई दिल्ली। हर साल की तरह इस साल भी योगेंद्र कुमार मानद पशु कल्याण प्रतिनिधि (भारतीय पशु कल्याण बोर्ड) एवं हैड वार्डर तिहाड जेल के नेतृत्व में प्रदूषण के विरुद्ध अभियान की शुरुआत सर्वोदय कन्या विद्यालय राजौरी गार्डन मेन नई दिल्ली 27 जिसमे 1200 बच्चों ने भाग लिया, तथा गवर्नमेंट गर्ल सीनियर सेकेंडरी टैगोर गार्डन में विश्व पशु कल्याण दिवस के अवसर पर पशु पक्षियों पर क्रूरता के प्रति जागरूक किया।

इस अवसर पर बच्चों को जागरूक करने के लिए (प्रदूषण के मानव एवं पशु पक्षियों पर दुष्प्रभाव)विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया एवं पशु पक्षियों पर क्रूरता रुकने के उपाय निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में बच्चों ने भाग लिया ओर उत्कृष्ट बच्चों प्रशस्ति पत्र दे कर सम्मानित किए, , इस मौके पर योगेंद्र कुमार ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदूषण हमारे द्वारा निर्मित समस्या है और इसका समाधान भी हमने ही खोजना होगा एवं इससे निजात पाने के लिए हम सब ने मिल कर कार्य करना होगा तथा पशुओं के भी कुछ कानूनी अधिकार है उनपर क्रूरता करने पर सजा भी मिल सकती है प्रधानाचार्य अंजू सरदाना के बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि पशु पक्षियों के बिना इस समाज की कल्पना भी नहीं कर सकते इसलिए हम सब ने उनको सुरक्षा प्रदान करनी होगी , इस अवसर पर बच्चों ने भी कविताओं के माध्यम से बच्चों को जागरुक किया तथा प्रधानाचार्य ममता ओबेरॉय ने पृथ्वी को सुरक्षित करने के लिए प्रदूषण से कैसे मुक्ति पाये इस विषय पर बच्चो को विस्तार से समझया

एवं तथा इस अवसर में बी के पांडे , इंदर जीत सोनी मानद पशु कल्याण प्रतिनिधि तथा अनिल चौधरी , जय नाथ देविंद्र माखीजा ,सोनू , राम निवास यादव ,अमन एनिमल केअर टेकर ने भी बच्चो से प्रदूषण के विरुद्ध अभियान से जुड़ने की अपील की ।

घर-घर संविधान की महिम के चलते मयूर विहार में लगा सेल्फी प्वाइंट

सुषमा रानी

नई दिल्ली। घर-घर संविधान। मुहिम के तहत दीप चंदेलिया ऑस्ट्रेलिया द्वारा दिल्ली में निगम पार्षद बीना बालगुहेर के ऑफिस मयूर विहार फेस 1 में पीपल्स वेलफेयर फाउंडेशन की अध्यक्ष शालिनी और आजाद ने संविधान का सेल्फी प्वाइंट लगाया जिसमें निगम पार्षद बीना बालगुहेर वरिष्ठ समाज सेवी श्यामलाल बालगुहेर, एसीपी रोहिताश कुमार, निगम पार्षद बंटी गौतम शामिल हुए।

पर्यटन क्षेत्र में इजाफा तो औद्योगिक में हुई कमी, यमुना प्राधिकरण का ये है मास्टर प्लान

परिवहन विशेष न्यूज

मथुरा और वृंदावन देश ही नहीं बल्कि दुनिया में धार्मिकता और आध्यात्मिकता के लिए फेमस है। हर साल करोड़ों लोग यहां पर दर्शन के लिए आते हैं। कृष्ण नगरी के तौर पर यह पूरी दुनिया में विख्यात है। अब इसको देखते हुए यमुना प्राधिकरण ने फेज दो में औद्योगिक क्षेत्र को कम कर दिया है जबकि पर्यटन के क्षेत्र में बढ़ोतरी की है। पढ़ें एक क्लिक में पूरी जानकारी।

ग्रेटर नोएडा। कृष्ण नगरी के तौर पर दुनिया में विख्यात मथुरा वृंदावन में पर्यटन के लिए असीम संभावनाएं हैं। हर साल लाखों लोग धार्मिक, आध्यात्मिक यात्रा के लिए मथुरा वृंदावन पहुंचते हैं। करोड़ों रुपये का राजस्व मिलता है। मथुरा में पर्यटन की संभावनाओं को फायदा उठाने के लिए यमुना प्राधिकरण ने हेरिटेज सिटी परियोजना तैयार की है।

पर्यटन गतिविधि का मुख्य केंद्र होगा। इसलिए प्राधिकरण ने अपने फेज दो के मास्टर प्लान 2031 को संशोधित करते हुए पर्यटन के लिए आरक्षित क्षेत्र को दो गुना से अधिक कर दिया है। औद्योगिक श्रेणी के क्षेत्रफल में तकरीबन पचास प्रतिशत की कटौती की गई है।

मथुरा में अपनी तक पर्यटन के लिए प्राचीन मंदिरों के अलावा पौराणिक महत्व से जुड़ी धरोहर ही मौजूद हैं। दुनिया भर से मथुरा आने वाले पर्यटक मंदिरों व पौराणिक धरोहरों के दर्शन के बाद लौट जाते हैं, इसलिए मथुरा जिले में सेवा सेक्टर का खास विकास नहीं हो पाया है।

753 एकड़ में विकसित होगा हेरिटेज सिटी

इन खामियों को दूर करते हुए पर्यटकों को अधिक से अधिक समय तक मथुरा क्षेत्र में रोकने के लिए हेरिटेज सिटी परियोजना तैयार की गई है। एनएच 44 से बांके बिहारी मंदिर तक 14 किमी लंबा मार्ग बनाकर 753 एकड़ में हेरिटेज सिटी विकसित होगा। पर्यटकों को धार्मिक के अतिरिक्त आध्यात्मिक, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, स्थानीय उत्पाद की खरीदारी के अलावा ठहरने के लिए विश्व स्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

पर्यटन को केंद्र में रखकर ही प्राधिकरण ने यह परियोजना की है। प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डा. अरुणवीर सिंह का कहना है कि मथुरा में पर्यटन उद्योग के लिए असीम संभावनाएं हैं, लेकिन उनका ठीक तरह से दोहन नहीं किया गया है। रोजगार सृजन के लिए यह अच्छा जरिया बन सकता है।

इसलिए राया अर्बन सेंटर के नियोजन में पर्यटन को मुख्य केंद्र में रखा गया है। उद्योग के सापेक्ष पर्यटन को प्राथमिकता दी गई है। मथुरा पर्यटकों के लिए केंद्र बन सके। अधिक से अधिक समय तक पर्यटक मथुरा में ठहरेंगे तो इसका सीधा फायदा राजस्व बढ़ाने में मिलेगा।

फेज दो के संशोधित मास्टर प्लान में पर्यटन से संबंधित संरचनात्मक ढांचा विकसित करने के लिए आरक्षित क्षेत्र में बढ़ाया गया है। पूर्व में पर्यटन के लिए आरक्षित क्षेत्र 731.3 हे. था, जो अर्बन सेंटर के कुल क्षेत्रफल का 7.8 प्रतिशत था।

इसे बढ़ाकर 1520.51 हे. किया गया है, यह कुल क्षेत्रफल का 13 प्रतिशत हो गया है। रिवर फ्रंट भी पर्यटन क्षेत्र के विस्तार का ही हिस्सा है। इसे भी 109.7 प्रतिशत से बढ़ाकर 505.65 हे. किया गया है।

उद्योग के लिए आरक्षित क्षेत्रफल में कटौती की गई है। 1882.7 हे. के सापेक्ष इसे 853.46 हे. किया गया है। मिश्रित भूमि उपयोग 238.3 हे. से बढ़ाकर 301.44 हे. हुआ है। यह पूर्व के सापेक्ष .09 प्रतिशत अधिक हो गया है।

राया अर्बन सेंटर

- फेज दो मास्टर प्लान 2031
- श्रेणी आरक्षित क्षेत्रफल कुल क्षेत्र का प्रतिशत
- पर्यटन विकास 731.3 हे. 7.8
- रिवर फ्रंट 109.7 हे. 1.2
- उद्योग 1882.7 हे. 20.1
- मिश्रित भू उपयोग 238.3 हे. 2.5

संशोधन के बाद

- श्रेणी आरक्षित क्षेत्रफल कुल क्षेत्र का प्रतिशत
- पर्यटन विकास 1520.51 हे. 13
- रिवर फ्रंट 505.65 हे. 4.34
- उद्योग 853.46 हे. 7.32
- मिश्रित भू उपयोग 301.44 हे. 2.59

ठेली को लेकर पार्षद और वकील भिड़े, जमकर मारपीट

गाजियाबाद के अर्थला में शुक्रवार देर रात खली को लेकर स्थानीय पार्षद और अधिवक्ता पक्ष भिड़ गए। दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हुई। पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में लिया है। घटना के बाद मौके पर पुलिस बल मौजूद है ताकि फिर से कोई ऐसी मारपीट की घटना न हो जाए। मामले में पुलिस जांच कर रही है।

गाजियाबाद। गाजियाबाद जिले के कोतवाली क्षेत्र के अर्थला में शुक्रवार देर रात खली को लेकर स्थानीय पार्षद और अधिवक्ता पक्ष भिड़ गए। दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हुई। दो समुदाय से जुड़ा मामला होने की सूचना पर भारी पुलिस मौके पर पहुंचा। पुलिस की ओर से रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। तीन लोगों को हिरासत में ले लिया है।

शुक्रवार रात को साहिबाबाद कोतवाली क्षेत्र के अर्थला में ठेली हटाने को लेकर स्थानीय पार्षद मनोज पाल और अधिवक्ता शमशाद सिद्दीकी में विवाद हो गया। दोनों पक्ष आमने सामने आगे। दोनों पक्षों में जमकर मारपीट। मारपीट के दौरान अफरातफरी मच गई। दुकानदारों ने अपनी दुकानों बंद कर दीं।

पार्षद सहित तीन लोग हिरासत में

सूचना पर सहायक पुलिस आयुक्त साहिबाबाद रजनीश उपाध्याय, थाना प्रभारी निरीक्षक साहिबाबाद भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पार्षद सहित तीन लोगों को हिरासत में लिया गया।

पुलिस ने क्या कहा

सहायक पुलिस आयुक्त साहिबाबाद रजनीश कुमार उपाध्याय ने बताया कि ठेली हटाने को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हुआ था जिसके चलते मारपीट हुई। पुलिस की ओर से रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है। अन्य की तलाश में दविश दी जा रही है। ऐतिहातन मौके पर पुलिस बल तैनात किया गया है।

त्योहारों को लेकर बाजार गुलजार

त्योहारी सीजन शुरू हो गया है। बाजार गुलजार होने लगे हैं। लोगों की भीड़ बाजारों में खरीदारी के लिए पहुंचने लगी है। सजावटी सामान, मिठाई, कपड़ों की दुकानों पर लोगों की भीड़ दिख रही है। बाजारों में स्टाल लगने शुरू हो गए हैं। रंग-बिरंगी लाइटों से दुकानें सजी हैं। बाजारों में हर्ष का माहौल है। व्यापारियों को त्योहारी सीजन में अच्छा व्यापार रहने की उम्मीद है।

बढ़ती हैं आपराधिक घटनाएं, पुलिस भी अलर्ट

भीड़ बढ़ने पर बाजारों में आपराधिक घटनाएं ना हो, इसको लेकर पुलिस भी अलर्ट हो गई है। बाजारों में पुलिसकर्मियों के ड्यूटी प्वाइंट बनाए गए हैं। अगले हफ्ते धनतेरस, दिवाली, गोवर्धन पूजन व भाईदूज है। त्योहारों को लेकर लोगों में उत्साह है, जो बाजारों में बढ़ रही भीड़ से दिख रहा है। कस्बा रोड, गुरुद्वारा रोड, रूकमिणी मार्केट, गोविंदपुरी, निवाड़ी रोड समेत शहर के मुख्य बाजारों में त्योहारों की तैयारियां शुरू हो गई हैं।

व्यापारियों ने स्टाक जमा कर लिया है। बाजारों में सजावटी सामान व लाइटों के स्टॉल लग चुके हैं। लोग यहां खरीदारी के लिए पहुंचने शुरू हो गए हैं।

नोएडा की ये 6 सड़कें होंगी मॉडल, डिजाइन तैयार; 100 करोड़ किया जाएगा खर्च

नोएडा। नोएडा शहर की छह सड़क को मॉडल रोड के रूप में विकसित किया जाएगा। इनको विकसित करने के लिए करीब 100 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इनका बजट और डिजाइन को सीईओ डॉ लोकेश एम से सैद्धांतिक मंजूरी मिल चुकी है।

इसी में एक उद्योग मार्ग को मॉडल रोड बनाने की प्रगति रिपोर्ट बोर्ड में प्रस्तुत की जाएगी। इन सभी पांच रोड़ को छह माह में मॉडल रोड के रूप में विकसित किया जाएगा। यह कार्य अलग कंपनियां करेंगी।

दिल्ली बॉर्डर से स्टेडियम क्रॉसिंग तक की रोड होगी मॉडल

जोनल रोड नंबर -8 में दिल्ली बॉर्डर से स्टेडियम क्रॉसिंग तक की रोड को मॉडल बनाया जाएगा। इसकी लंबाई 1350 मीटर है। इसके लिए 28 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

यहां 2 मीटर चौड़ा फुटपाथ, लो हाइट सेंट्रल वर्ज, विद्युत सुंदरीकरण, इलेक्ट्रिक डक्ट, आरसीसी ड्रेन, 50 सेमी की ग्रीन बेल्ट का निर्माण होगा।

सेक्टर-2 व 3 के बीच सेक्टर-16 से सेक्टर-3 लेबर चौक तक इसकी लंबाई 500 मीटर। मॉडल बनाने में करीब 10.50 करोड़ रुपये खर्च होंगे। यहां अंडर ग्रांउड यूटिलिटी, ग्रीन बेल्ट, इलेक्ट्रिक डक्ट का काम होगा।

सेक्टर-6 व 8 के बीच वसुंधरा इंक्लेव की ओर जाने वाला मार्ग को उद्योग मार्ग तक कुल लंबाई 500 मीटर लागत करीब 11.30 करोड़ यहां भी यूटीलिटीस अंडर ग्राउंड की जाएंगी।

डीएससी रोड इसे दो हिस्सों में मॉडल बनाया जाएगा। पहला बॉटेनिकल गार्डन से अट्टा पीर तक और दूसरा सेक्टर-16 से सेक्टर-15 तक इसका प्रस्तुतीकरण हो चुका है। एसईजेड से कुलेसरा बार्डर तक इसका सुंदरीकरण किया जाएगा। यहां भी सभी यूटीलिटीस को अंडर ग्रांउड किया जाएगा।

कंपनी को तीन माह में विकसित करना होगा मॉडल रोड

इस रोड़ को मॉडल बनाने के लिए 49 करोड़ रुपये खर्च होंगे। यह रोड़ नोएडा की सबसे व्यस्त रोड में शामिल है। इसलिए इसका स्ट्रक्चर डिजाइन भी खास तैयार किया गया है। ताकि आने-जाने वाले ट्रैफिक को यहां जाम न मिले। कंपनी को तीन माह में पूरी सड़क को मडल रोड के रूप में विकसित करनी होगी।

नोएडा में फ्लैट खरीददारों के लिए अच्छी खबर, रजिस्ट्री को लेकर आया नया नियम; बिल्डरों को आदेश जारी

परिवहन विशेष न्यूज

नोएडा में अपने घर का सपना देखने वाले लोगों के लिए खुशखबरी है। नोएडा प्राधिकरण की 215 वीं बोर्ड बैठक शनिवार को सेक्टर-6 स्थित कार्यालय में हुई। इसकी अध्यक्षता मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश मनोज कुमार सिंह ने की। ग्रुप हाउसिंग विभाग में नए नियम को मंजूरी मिली है। बुकिंग की दस प्रतिशत राशि लेकर अब बिल्डरों को फ्लैट खरीदारों की रजिस्ट्री करानी होगी।

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण (Noida Authority News) की 215 वीं बोर्ड बैठक मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को सेक्टर-6 स्थित कार्यालय में आयोजित हुई। अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग प्रमुख सचिव अरविंद कुमार सागर, नोएडा प्राधिकरण सीईओ डा लोकेश एम।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण (Greater Noida Authority) सीईओ एनजी रवि कुमार, यमुना प्राधिकरण सीईओ डा अरूणवीर सिंह, गौतमबुद्धनगर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा मौजूद रहे। बैठक में 27 प्रस्तावों को रखा गया, जिन पर बड़े स्तर पर चर्चा हुई। इस दौरान अमिताभकांत कमेटी की सिफारिश के तहत बिल्डरों को दी गई राहत पैकेज के बारे में प्रगति रिपोर्ट को देखा गया।

जिसमें नोएडा प्राधिकरण सीईडा लोकेश एम ने बताया कि 22 अक्टूबर 2024 तक 1643 रजिसट्रियां कराई गई। जिन बिल्डरों ने 25 प्रतिशत पैसा जमा करने के लिए हामी भरी है, उनसे पूरा पैसा लेकर शेष रजिस्ट्री कराई जाए। फ्लैट खरीदारों को मालिकाना हक और शासन को स्टांप डयूटी के जरिये से राजस्व मिले।

इसके लिए रेरा अधिनियम 2016 के सेक्शन 13 को अनुमोदित किया गया। इसके तहत फ्लैट खरीदार बिल्डर को फ्लैट की कुल कीमत का 10 प्रतिशत राशि देकर बिल्डर द्वारा प्रॉपर्टी की वैल्यू के अनुसार स्टांप ड्यूटी पे करते हुए एग्रीमेंट-टू-सेल या बिल्डर बायर्स अनुबंध लागू कर उप निबंधन कार्यालय में रजिस्ट्री कराएगा।

ओसी जारी होने के बाद बिल्डर द्वारा फ्लैट खरीदार की सूची के साथ रजिस्टर्ड एग्रीमेंट-टू-सेल / बिल्डर बायर्स एग्रीमेंट की प्रति साथ में प्रस्तुत की जाएगी। प्राधिकरण, बिल्डर एवं फ्लैट खरीदार के पक्ष में त्रिपक्षीय लीड डीड की जाएगी। इसके बाद खरीदार को फ्लैट व दुकान पर कब्जा दिया जाएगा।

यह नया नियम ग्रुप हाउसिंग के लिए लागू किया गया।

दो परियोजनाओं पर को डेवलपर को मिली अनुमति

शासनादेश 21 दिसंबर 2023 के क्लाज 9, 20 एवं 21 (वी) के तहत आवंटियों के अनुरोध पर भूखंड संख्या जीएच-01 / सी सेक्टर-168 नोएडा के आवंटी बिल्डर सनवर्ड रेजीडेंसी प्राइवेट लिमिटेड परियोजना को पूरा करने के लिए निम्बस प्रोजेक्ट लिमिटेड को सह डेवलपर व भूखंड संख्या जीएच-01, सेक्टर-115 की परियोजना में थीम काउंटी प्राइवेट लिमिटेड को डेवलपर नियुक्त किया गया है। इससे न केवल परियोजनाएं पूर्ण कर फ्लैट खरीदार को फ्लैट मिलेंगे, बल्कि नोएडा प्राधिकरण को बकाया मिलेगा।

बकायेदारों को 1578 करोड़ का अंतिम नोटिस

प्राधिकरण संपत्तियों पर पेट्रोल पंप और बैंक किराये पर संचालित हो रही है। किराये के एवज में इन पर 1578.14 करोड़ रुपये का बकाया है। ऐसे सभी डिफॉल्टर को अंतिम नोटिस जारी कर बकाया वापस करने के लिए कहा गया है। अन्यथा की स्थिति में बिल्डिंग सील करने के निर्देश दिया गया।

डेटा सेंटर की जगह पर अब आईटी/आईटीईएस

राष्ट्रीय एवं बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा आईटी/ आईटीईएस के भू-उपयोग भूखंड संख्या 02/09 सेक्टर-154 क्षेत्रफल 14867 वर्गमीटर और भूखंड संख्या 02/11 सेक्टर-154 क्षेत्रफल 14247 को डाटा सेंटर के लिए आवंटित करने के लिए दो बार योजना निकाली गई लेकिन एक बार भी कंपनी नहीं आई। ऐसे में दोबारा से आईटी / आईटीईएस उपयोग करके दोनों भूखंडों का आवंटन किया जाएगा।

पीने योग्य शराब बनाम औद्योगिक शराब

सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की बेंच का ऐतिहासिक फैसला-34 साल पुराना अपना ही आदेश पलट दिया

आर्थिक चुनौतियों से जूझ रही राज्य सरकारोंके लिए औद्योगिक शराब टैक्स के रूप में राज्यों को नया राजस्व स्रोत मील का पत्थर साबित होगा-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर प्रौद्योगिकी की निर्भरता के बढ़ते दौर में जीवन का परिदृश्य ही बदल गया है।जहां एक ओर इससे लॉन्ग टर्म सकारात्मक फायदे हो रहे हैं वहीं दूसरी तरफ शराब तंबाकू सट्टा जुआ सहित अनेक गलत तौर तरीके के व्यसनों की और मानवीय जीव चल पड़ा है तो तीसरी ओर इसका व्यापार व्यवसाय करने वालों और राज्य सरकारों को भी मोटी आमदनी हो जाती है विशेष रूप से राज्य सरकारों को शराब से मोटा राजस्व प्राप्त होता है, यही कारण है कि पिछली बार कोविड अवधि में जहां सारा देश लॉकडाउन था वही सबसे पहले शराब बिक्री को ही अनुमति दी गई थी, यांने वही राजस्व का चक्कर था,आज हम शराब पर इसलिए बात कर रहे हैं क्योंकि बुधवार दिनांक 23 अक्टूबर 2024 को शाम संवैधानिक पीठ ने अपने ही 34 साल पुराने आदेश को पलट दिया और औद्योगिक शराब पर राज्य सरकारों को कर नीति बनाने या इसके दुरुपयोग को रोकने के लिए कानून बनाने का अधिकार दे दिया है।हम कुछ अवधि से कुछ दशकों से सुनते आ रहे हैं,कि जहरीली शराब से इतने मरे उतनें मरे अभी-अभी हमने तमिलनाडु बिहार सहित कुछ राज्यों में जहरीली शराब पीने से बहुत लोगों की मौत का समाचार सुना था स्वाभाविक हैऔद्योगिक शराब का दुरुपयोग हुआ होगा, इसलिए ही राज्यों ने 34 साल की लड़ाई करमशक्कत के बाद फैसला उनके हक में आया है, इसपर कानून बनाने से अधिक औद्योगिक शराब पर मोटी टैक्स लगाने से राजस्व में भारी वृद्धि करने का फंडा है, क्योंकि अनेक राज्य सरकारी रेवड़ियों के कारण आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रही है। चूँकि सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की बेंच ने ऐतिहासिक फैसला दिया है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्धजानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे आर्थिक चुनौतियों से जूझ रही राज्य सरकारों के लिए औद्योगिक शराब पर टैक्स के रूप में राज्यों को नया राजस्व स्रोत मील का पत्थर साबित होगा।

साथियों बात अगर हम पीने योग्य शराब बनामऔद्योगिक शराब पर 9 जजों की बेंच द्वारा 23 अक्टूबर 2024 को दिए गए जजमेंट की करें तो,23 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट ने इंडसट्रिल शराब के अधिकार को लेकर एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया, जिसमें पुष्टि की गई कि राज्यों के पास इस मामले पर कानून बनाने का अधिकार है।केरल, महाराष्ट्र पंजाब और यूपी जैस राज्य इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट की शरण में थे,उनकी दलील थी कि जिस तरह इसका उपयोग किया जा रहा है, उसको देखते हुए राज्य सरकारें चुप नहीं बैठ सकतीं क्योंकि इनके उपयोग से जहरीली शराब भी बनाई जा रही हैं और मौते हो रही हैं।सुप्रीम कोर्ट का ये फैसला 9 जजों की खंडपीठ ने किया। ये फैसला 8:1 बहुमत से सुनाया गया।फैसले में इसे नशीली शराब के रूप में वर्गीकृत किया गया है।इस फैसले ने 1990 के पुराने फैसले को पलट दिया कि, जबकि इस पॉवर केंद्र सरकार तक सीमित कर दिया था।सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इंडसट्रियल शराब पर कानून बनाने का अधिकार राज्यों का है, इसे छीना नहीं जा सकता है।9 जजों की बेंच ने 7 जजों की बेंच के फैसले को पलट दिया, जिसमें कहा गया था कि इंडसट्रियल शराब को रेगुलेट करने का अधिकार केंद्र के पास है।सुप्रीम कोर्ट ने एक फैसले में कहा है इंडसट्रियल अल्कोहल यानि औद्योगिक अल्कोहल का मसला केंद्र से ज्यादा राज्य सरकारों का है, लिहाजा वो इस पर कानून बनाने का अधिकार रखती हैं।इंडसट्रियल अल्कोहल को औद्योगिक शराब भी कह सकते हैं, इसे विकृत अल्कोहल भी कह सकते हैं, ये चूंकि इलेनॉल का शुद्धता वाला रूप में है, लिहाजा इसका इस्तेमला मानव उपभोग के लिए नहीं होता, ये पीते ही स्वास्थ्य को खराब कर सकती है और अस्पताल पहुंचा सकती है. ये जहरीली शराब जैसा काम भी करती है, असस में सुप्रीम कोर्ट ने 8:1 की बहुमत से फैसला सुना दिया है कि राज्य सरकार के पास भी औद्योगिक शराब को भी रेगुलेट करने की ताकत राज्य सरकारों के पास रहने वाली है, इसे उनसे छीना नहीं जा सकता है।बड़ी बात यह है कि सुप्रीम कोर्ट ने इस बात को स्वीकार कर लिया है कि कानून में द्योगिक और नशीली शराब के उत्पाद दोनों शामिल रखे जाएंगे। इसका मतलब यह है कि नशीली शराब पर भी कानून बनाने का अधिकार राज्य का रहने वाला है।

साथियों बात अगर हम पीने योग्य शराब व औद्योगिक शराब को समझने की करें तो, क्या है नशीली शराब की परिभाषा सुप्रीम कोर्ट के अनुसार सातवीं अनुसूची की सूची II (राज्य सूची) की प्रविष्टि 8 में "नशीली शराब" शब्द में औद्योगिक शराब शामिल है, जो बताता है कि ये अगर मनुष्यों द्वारा उपयोग में लाई जाए तो जहर जैसा काम करती है, बहुमत की राय ने इस बात पर जोर दिया कि "नशीली" का अर्थ हानिकारक या जहरीले पदार्थोंसे भी हो सकतअल्कोहल कितनी तरह की होती है।शराब मुख्य तौर पर दो तरह की होती हैऔद्योगिक अल्कोहल यह आमतौर पर आइसोप्रोपिल अल्कोहल (आइसोप्रोपेनॉल) या विकृत अल्कोहल (एडिटिव्स के साथ इथेनॉल) होती है. आइसोप्रोपाइल अल्कोहल की केमिकल संरचना सी$_{38}$0 होती है, जिसका उपयोग मुख्य रूप से औद्योगिक सेटिंग्स में सफाई और कीटाणुशोधन के लिए किया जाता है दूसरी औद्योगिक अल्कोहल इथेनॉल यानि सी25ओह होती है,जिसका उपयोग अक्सर जहरीली शराब बनाने में किया जाता है।उपयोग की जाने लायक अल्कोहल-यह मुख्य रूप से इथाइल अल्कोहल (इथेनॉल) है जिसका उपयोग मनुष्यों द्वारा किया जाता रहा है. बीयर, वाइन और स्प्रिट जैसे मादक पेय पदार्थों में इसी के घटक होते हैं. इथेनॉल खो खमीर द्वारा शर्करा के किण्वन के माध्यम से बनाया जाता है औद्योगिक शराब का जहरीलाप आइसोप्रोपाइल और विकृत शराब दोनों ही अगर पीये जाएं तो जहर जैसा काम करते हैं सेवन से गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं, मसलन-पेट और आंतों में बुरी तरह जलन-नर्वस सिस्टम पर बुरी तरह असर-छोटी मात्रा से भी संभावित घातक परिणाम,आंखें जा सकती हैं पागलपन,मौत भी-औद्योगिक अल्कोहल के लगातार सेवन से लीवर और किडनी को नुकसान हो सकताकोमा का जोखिम,क्या इथेनॉल हमेशा जहरीला होता है

– नहीं ऐसा नहीं है. इथेनॉल उच्च खुराक हमेशा जहरीली होती है,लेकिन तय सीमा सेवन के लिए सुरक्षित हैशरीर इथेनॉल को तब पचा सकता है, जब जिम्मेदारी से इसका सेवन किया जाए, तब इसके हानिकारक प्रभाव नहीं होते।

साथियों बात अगर हम इस केस को समझने की करें तोकेस यह था कि क्या राज्य सरकारों के पास इंडसट्रियल अल्कोहल की सेल्स, डिस्ट्रीब्यूशन, प्राइसिंग को रेगुलेट और कंट्रोल करने की शक्ति है या नहीं। इंडसट्रियल अल्कोहल का उपयोग फार्मास्यूटिकल्स, कीटाणुनाशक, रसायन और यहां तक कि जैव ईंधन के निर्माण में होता है।सुप्रीम कोर्ट बोला-औद्योगिक शराब पर टैक्स का अधिकार राज्य के पासऔद्योगिक शराब संविधान की लिस्ट II की एंट्री 8 के तहत नशीली शराब की परिभाषा के तहत आती है, जिससे राज्यों को इसके उत्पादन को विनियमित करने और टैक्स लगाने का अधिकार मिलता है। औद्योगिक शराब पर कानून बनाने की राज्य की शक्ति छीनी नहीं जा सकती। साल 2010 में यह केस 9 जजों की बेंच में ट्रांसफर हुआ था। इस साल अप्रैल में इस केस में 6 दिन लगातार सुनवाई हुई। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। आज 9 जजों की बेंच ने 8:1 के बहुमत से फैसला सुनाया। जस्टिस बीवी नागरत्ना ने फैसले का विरोध किया।इंडसट्रियल अल्कोहल इथेनॉल का अशुद्ध रूप है। आमतौर पर सॉल्वेंट के रूप में इसका उपयोग किया जाता है। ये लोगों के पीने के लिए नहीं होती। अनाधिकृत उपभोग से बचने के लिए, इंडसट्रियल शराब में उल्टी पैदा करने वाला पदार्थ मिलाकर भी बेचा जाता है।याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया था कि कि इंडसट्रियल शराब पर टैक्स लगाने की शक्ति महत्वपूर्ण है। ये राज्यों की आय का एक महत्वपूर्ण जरिया है। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि यदि औद्योगिक शराब को विनियमित करने की शक्ति केंद्र के पास चली जाती है, तो औद्योगिक शराब की अवैध खपत से निपटने के मामले में उनके हाथ बंधे रहेंगे याचिकाकर्ताओं ने अदालत को औद्योगिक शराब के उत्पादन की तकनीकी प्रक्रिया के माध्यम से यह भी समझाने की कोशिश की कि सभी शराब 'नशीली' होती है चाहे पीने योग्य हो या नहीं।केंद्र ने तर्क दिया कि औद्योगिक शराब को विनियमित करने की शक्ति हमेशा उनकी रही है। स्टेट लिस्ट की एंट्री 8 का उस शराब से कोई लेना-देना नहीं है जो पीने योग्य नहीं है। इंडसट्रियल अल्कोहल केस-7 जजों की बेंच का फैसला पलटाःसुप्रीम कोर्ट ने कहा- कानून बनाने का अधिकार राज्यों के पास, इसे नहीं छीना जा सकतावर्तमान मामले को 2007 में नौ जजों की पीठ को भेजा गया और यह उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (आईडीआर अधिनियम) की धारा 18 जी की व्याख्या से संबंधित है। धारा 18 जी केंद्र सरकार को यह सुनिश्चित करने की अनुमति देती है कि अनुसूचित उद्योगों से संबंधित कुछ उत्पाद निष्पक्ष रूप से वितरित किए जाएं और उचित मूल्य पर उपलब्ध हों। वे इन उत्पादों की आपूर्ति, वितरण और व्यापार को नियंत्रित करने के लिए आधिकारिक अधिसूचना जारी करके ऐसा कर सकते हैं। हालांकि, संविधान की सातवीं अनुसूची की सूची III की प्रविष्टि 33 के अनुसार, राज्य विधानमंडल के पास संघ के नियंत्रण वाले उद्योगों और इसी तरह के आयातित सामानों के व्यापार, उत्पादन और वितरण को विनियमित करने की शक्ति है।यह तर्क दिया गया कि सिंथेटिक्स एंड केमिकल लिमिटेड बनाम यूपी राज्य में सात जजों की पीठ राज्य की समवर्ती शक्तियों के साथ धारा 18 जी के हस्तक्षेप को संबोधित करने में विफल रही थी।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि पीने योग्य शराब बनाम औद्योगिक शराब।सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की बेंच का ऐतिहासिक फैसला- 34 साल पुराना अपना ही आदेश पलट दिया,आर्थिक चुनौतियों से जूझ रही राज्य सरकारों के लिए औद्योगिक शराब टैक्स के रूप में राज्यों को नया राजस्व स्रोत मील का पत्थर साबित होगा।

संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभक़ार अंतर्राष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि सी ए (ए टी सी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

- :सौजन्य :-
ईवी ड्राइव द फ्यूचर
EV
Drive the Future

बिहार में अगले साल 1000 ईवी चार्जिंग स्टेशन खुलेंगे

परिवहन विशेष न्यूज

पटना सहित बिहार के विभिन्न जिलों में तेजी से बढ़ते इलेक्ट्रिक वाहनों के कारण सरकार तेजी से चार्जिंग स्टेशन बनाने के लिए जगह का सर्वे करा रही है। अगले साल करीब 1000 से अधिक चार्जिंग स्टेशनों का निर्माण किया जाएगा। सरकारी के साथ-साथ प्राइवेट कंपनियों ने चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के लिए सहमति दिखाई है।

विभिन्न स्टेक होल्डर्स एवं अन्य कंपनियों के प्रतिनिधियों ने राज्य में इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने का आश्वासन दिया। परिवहन विभाग ने 1000 ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। राज्य के विभिन्न पेट्रोल पंप और अन्य जगहों पर 300 से अधिक ईवी चार्जिंग की सुविधा है। इस योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए संबंधित विभागों और एजेंसियों के बीच तालमेल बनाकर कार्य किया जाएगा।

राष्ट्रीय राजमार्गों पर एक निश्चित दूरी पर चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे, ताकि लंबी दूरी की यात्रा के दौरान ईवी उपयोगकर्ताओं को कोई असुविधा न हो। इसके साथ ही शहर के विभिन्न मार्गों, पेट्रोल पंपों, बस टर्मिनल, बस डिपो, स्कूल कॉलेज इत्यादि जगहों पर चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। वर्तमान में राज्य के विभिन्न पेट्रोल पंप और अन्य जगहों पर 300 से अधिक ईवी चार्जिंग की सुविधा है।

बिहार राज्य पुल निर्माण निगम के सभी पुलों के नीचे के खाली जगह में चार्जिंग लगाने के लिए पटना नगर निगम को प्राधिकृत किया गया। पटना नगर आयुक्त को इस ओर ध्यान आकृष्ट किया गया है कि नगर निगम द्वारा अपने स्तर से भी पटना की महत्वपूर्ण जगहों को पार्किंग के लिए चिह्नित करते हुए ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

सीईएसएल ने फरीदाबाद में ईवी चार्जिंग और बैटरी स्वैपिंग स्टेशनों के लिए बोलियां की आमंत्रित

परिवहन विशेष न्यूज

कन्वर्जेंस एनर्जी सर्विसेज लिमिटेड (सीईएसएल) ने फरीदाबाद में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने की एक महत्वपूर्ण पहल में भाग लेने के लिए चार्ज प्वाइंट ऑपरेटरों (सीपीओ) को आमंत्रित करते हुए एक निविदा शुरू की है।

यह निविदा नगर निगम फरीदाबाद (एमसीएफ) के तहत चयनित स्थानों पर 'इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशनों और बैटरी स्वैपिंग स्टेशनों की खरीद, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण, कमीशनिंग और संचालन और रखरखाव' पर केंद्रित है। बूम (बिल्ड, ओन, ऑपरेट और मेंटेमेंटेन) मॉडल के तहत, परियोजना आवश्यक चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को सक्षम करके शहर के भीतर टिकाऊ परिवहन को बढ़ावा देना चाहती है।

सीईएसएल ने अपने ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल के माध्यम से एकल-चरणीय, दो-लिफाफा प्रणाली स्थापित की है। इच्छुक बोलीदाता 17 अक्टूबर से 30 अक्टूबर, 2024 तक अपने आवेदन जमा कर सकते हैं।

भाग लेने के लिए बोलीदाताओं को 15,000 रुपये का गैर-वापसी योग्य निविदा शुल्क अदा करना होगा तथा 2,12,000 रुपये की बयाना राशि (ईएमडी) जमा करनी होगी।

23 अक्टूबर, 2024 को निर्धारित प्री-बिड कॉन्फ्रेंस वर्चुअली आयोजित की जाएगी। सीईएसएल ने 30 अक्टूबर को तकनीकी-व्यावसायिक बोलियाँ खोलने की योजना बनाई है, जिसमें सभी बोलियाँ प्रस्तुत तिथि से 180 दिनों की अवधि के लिए वैध होंगी। सीईएसएल की परियोजना योजना चयनित बोलीदाताओं को साइट व्यवहार्यता का आकलन करने, बिजली कनेक्शन सुरक्षित करने, उपकरण स्थापित करने और सभी परिचालन और रखरखाव कार्यों का संचालन करने में एक व्यापक भूमिका सौंपती है।

इस स्थापना में धीमी और तेज़ दोनों तरह के ईवी चार्जर के साथ-साथ बैटरी स्वैपिंग स्टेशन शामिल होंगेहों गे, जिसके वित्तपोषण और रखरखाव के लिए बोलीदाता जिम्मेदार होंगेहों गे। साइट के मूल्यांकन के लिए मुख्य विनिर्देशों में पर्याप्त पार्किंग स्थान और वाहनों का सुचारू आवागमन सुनिश्चित करना शामिल है, जिससे उन्हें दोपहिया वाहनों से लेकर बसों तक विभिन्न प्रकार के ईवी के लिए सुलभ बनाया जा सके।

इसके अतिरिक्त प्रत्येक साइट को विद्युत मंत्रालय के दिशा-निर्देशों का पालन करना होगा, जिसमें उपयोगकर्ता की सुविधा को अधिकतम करने के लिए उच्च-फुटफॉल वाले क्षेत्रों और आवासीय समुदायों से निकटता शामिल है। बोली दाताओं को यह निर्धारित करने के लिए सभी सात प्रस्तावित स्थानों को स्वतंत्र रूप से सत्यापित करने की भी आवश्यकता होगी कि क्या वे परियोजना विनिर्देशों के अनुरूप हैं।

बोलीदाताओं को नए बिजली कनेक्शन स्थापित करने की वित्तीय जिम्मेदारी उठानी होगी, तथा सीईएसएल के नाम से भुगतान और मासिक बिजली बिल का प्रबंधन संबंधित सीपीओ द्वारा किया जाएगा।

अन्य दायित्वों में परिचालन लॉग बनाए रखना, मूल उपकरण निर्माता (ओईएम) मानकों के अनुसार आवश्यक भागों की खरीद करना, तथा सभी आवधिक रखरखाव का प्रबंध करना शामिल है।

इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए निविदा में निर्दिष्ट समय-सीमा में यह रेखांकित किया गया है कि संपूर्ण स्थापना और परिचालन प्रक्रिया - जिसमें खरीद, आपूर्ति, परीक्षण, कमीशनिंग और रखरखाव शामिल है - को लेटर ऑफ अवार्ड (LoA) जारी होने के चार महीने के भीतर पूरा किया जाना चाहिए।

बोलीदाता को कनेक्शन विच्छेदन से होने वाले किसी भी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष नुकसान के लिए भी जिम्मेदार ठहराया जाएगा, जिसमें भुगतान सुरक्षा पुनः प्रस्तुत करने में होने वाली देरी भी शामिल है, जिसे सीईएसएल एक अर्जित वित्तीय लाभ के रूप में मानेगा और ठेकेदार को 30 दिनों के भीतर इसका चालान देगा।

इस पहल का उद्देश्य हरित परिवहन नेटवर्क को बढ़ावा देना है जो फरीदाबाद को टिकाऊ शहरी गतिशीलता समाधानों की ओर ले जाएगा। इच्छुक बोलीदाता CESL ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट पर परियोजना के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं या किसी भी स्पष्टीकरण के लिए CESL के अनुबंध विभाग से संपर्क कर सकते हैं।

इंडिया में हिट लेकिन विदेशों में नहीं है इन 5 कारों की मांग

भारतीय बाजार में हर महीने लाखों की संख्या में वाहनों की बिक्री की जाती है। साथ ही भारत में बनाई गई कारों का हर महीने कई देशों को भी एक्सपोर्ट किया जाता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक ऐसी कौन सी कारें हैं जिनको भारत में तो काफी ज्यादा पसंद किया जाता है। लेकिन विदेशों में इन कारों की मांग काफी कम है। आइए जानते हैं।

नईदिल्ली। भारत के कार बाजार में हर महीने लाखों यूनिट्स को खरीदा जाता है। कंपनियों की ओर से भी बड़ी संख्या में वाहनों का उत्पादन किया जाता है। निर्माता भारत में बनी कारों को विदेश में भी एक्सपोर्ट करते हैं। लेकिन कुछ ऐसी कारें हैं जिनको भारत के लोग तो काफी ज्यादा पसंद करते हैं, लेकिन विदेशों में उनकी मांग में बीते महीने कमी आई है। ऐसी कौन सी पांच कारें हैं। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

Mahindra Bolero की एक्सपोर्ट हुई कितनी यूनिट्स

बीते महीने मेड इन इंडिया कारों की एक्सपोर्ट लिस्ट में सबसे नीचे Mahindra Bolero का नाम रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक बीते महीने इस दमदार गाड़ी की सिर्फ तीन ही यूनिट्स का एक्सपोर्ट किया गया है। जबकि पिछले साल इसी अवधि के दौरान इसकी 53 यूनिट्स का एक्सपोर्ट हुआ था।

Maruti Wagon R की भी मांग कम

भारत में बनी मारुति वैगन आर काफी ज्यादा पसंद की जाने वाली कार है। देश में हर महीने इसकी हजारों यूनिट्स की बिक्री होती है। लेकिन बीते महीने इसकी सिर्फ 29 यूनिट्स का ही एक्सपोर्ट किया गया। मारुति की इस गाड़ी की September 2023 के दौरान 73 यूनिट्स को विदेश भेजा गया था।

लिस्ट में शामिल हुई Maruti XL6

छह सीटों वाली एमपीवी के तौर पर भारत में Maruti XL6 को काफी ज्यादा पसंद किया जाता है। लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक मेड इन इंडिया इस एमपीवी की बीते महीने सिर्फ 54 यूनिट्स का ही एक्सपोर्ट किया गया है। ईयर ऑन ईयर बेसिस के मुताबिक पिछले साल September महीने में इसकी 128 यूनिट्स को एक्सपोर्ट किया गया था।

बीते महीने Honda Amaze की मांग में कमी आई

जापानी वाहन निर्माता Honda की ओर से Compact Sedan Car सेगमेंट में Honda Amaze को भारत में ऑफर किया जाता है। हर महीने यहां इसकी हजारों यूनिट्स की बिक्री होती है। लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक बीते महीने इसकी सिर्फ 60 यूनिट्स का ही एक्सपोर्ट किया गया है।

एक्मा मोबिलिटी फाउंडेशन ने भारतीय ऑटो कंपोनेंट्स में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए फ्राउनहोफर इंस्टीट्यूट्स के साथ की साझेदारी

परिवहन विशेष न्यूज

ऑटोमोटिव कम्पोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया की पहल, एक्मा मोबिलिटी फाउंडेशन ने भारत के ऑटो कम्पोनेंट उद्योग के लिए अनुसंधान और विकास को आगे बढ़ाने के लिए जर्मनी के फ्राउनहोफर-गेसेलशाफ्ट के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

इस साझेदारी को नई दिल्ली में आयोजित 18वें एशिया-प्रशांत जर्मन बिजनेस सम्मेलन (एपीके 2024) के दौरान औपचारिक रूप दिया गया, जिसका उद्देश्य उद्योग-संचालित अनुसंधान और नवाचार के लिए एक मंच प्रदान करना है, तथा इस क्षेत्र को कार्बन तटस्थता, परिपत्रता, सुरक्षा और पर्यावरणीय जिम्मेदारी की ओर बदलाव का समर्थन करना है।

एएमएफ और फ्राउनहोफर के बीच सहयोग का उद्देश्य भारत के ऑटोमोटिव क्षेत्र में प्रौद्योगिकी, स्थिरता और उत्पाद नवाचार को बढ़ाना है। फ्राउनहोफर संस्थान भारतीय ऑटो कंपोनेंट उद्योग के लिए नए उत्पाद विकास, प्रक्रिया नवाचारों और प्रतिस्पर्धी अनुसंधान एवं विकास पर केंद्रित अनुप्रयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं पर एएमएफ के साथ मिलकर काम करेंगे। फ्राउनहोफर के विशेषज्ञ प्रक्रिया प्रौद्योगिकियों में सुधार और संधारणीय उत्पादन विधियों को एकीकृत करने के लिए भारतीय ऑटोमोटिव कंपनियों के साथ जुड़ेंगे। इसके अतिरिक्त, संधारणीय उत्पादन और सड़क सुरक्षा को लक्षित करने वाली संयुक्त परियोजनाएं विकसित की जाएंगी, जो उद्योग-व्यापी अनुप्रयोग के लिए परिपत्र अर्थव्यवस्था सिद्धांतों और प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित करेंगी।

एएमएफ के निदेशक और जेके फेनर (इंडिया) के प्रबंध निदेशक विक्रमपति सिंघानिया ने इस साझेदारी को भारतीय ऑटो कंपोनेंट क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण विकास बताया। उन्होंने कहा कि अनुप्रयुक्त अनुसंधान में फ्राउनहोफर की विशेषज्ञता नवाचार को बढ़ावा देने, उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार करने और भारत में टिकाऊ गतिशीलता समाधानों की ओर बदलाव का समर्थन करने में मदद करेगी।

एएमएफ के निदेशक और सचिव विन्नी मेहता ने भारत के ऑटो कंपोनेंट क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास क्षमताओं को बढ़ाने में इस सहयोग की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इस साझेदारी से भारतीय कंपनियों को अनुप्रयुक्त अनुसंधान में फ्राउनहोफर की व्यापक विशेषज्ञता का लाभ उठाने में मदद मिलेगी, जिससे उन्हें प्रतिस्पर्धी लागत पर नवाचार को बढ़ावा देते हुए अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करने में मदद मिलेगी।

फ्राउनहोफर-गेसेलशाफ्ट, जो 76 शोध संस्थानों का संचालन करता है और जिसकी वैश्विक उपस्थिति महत्वपूर्ण है, जिसका वार्षिक शोध बजट 3.4 बिलियन यूरो से अधिक है, अपने यातायात और परिवहन गठबंधन के माध्यम से सहयोग का नेतृत्व करेगा। 18 संस्थानों का यह समूह भारत में ऑटोमोटिव पारिस्थितिकी तंत्र का समर्थन करने के लिए विशेष अनुसंधान और विकास सेवाएँ प्रदान करता है।

फ्रॉनहोफर मुख्यालय में प्रतिस्पर्धा-पूर्व अनुसंधान और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के निदेशक और अनुभाग प्रमुख डॉ. जोहान फेकल ने गतिशीलता क्षेत्र में भारत और जर्मनी के बीच तालमेल पर जोर दिया। उन्होंने गतिशीलता मूल्य श्रृंखला में फ्रॉनहोफर की विशेषज्ञता की ओर इशारा किया - सामग्री और विनिर्माण से लेकर गतिशीलता अवधारणाओं तक - और विनिर्माण और कुशल जनशक्ति में भारत की ताकत का उल्लेख किया।

फ्रॉनहोफर ऑफिस इंडिया की निदेशक आनंदी अय्यर ने फ्रॉनहोफर और भारत के बीच लंबे समय से चले आ रहे संबंधों को स्वीकार करते हुए कहा कि फ्रॉनहोफर ने 16 वर्षों तक भारतीय ऑटोमोटिव क्षेत्र के साथ सहयोग किया है, जिसमें ACMA एक प्रमुख भागीदार है। उन्होंने इस सहयोग के लिए आशा व्यक्त की, जिसका उद्देश्य भारत-विशिष्ट चुनौतियों का समाधान करना, अवधारणाओं का प्रमाण तैयार करना और नवाचारों को बढ़ाना है, पारस्परिक लाभ के लिए जर्मन इंजीनियरिंग को भारतीय सरलता के साथ मिलाना है।

खराबी की जानकारी मिलने के बाद होंडा ने भारत में रिकॉल की 90 हजार से ज्यादा गाड़ियां, फ्री में ठीक करेगी खामी

परिवहन विशेष न्यूज

जापानी वाहन निर्माता Honda की ओर से भारतीय बाजार में सेडान और एसयूवी सेगमेंट में वाहनों को ऑफर किया जाता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कंपनी ने हाल में ही अपनी हजारों कारों के लिए Recall को जारी किया है। कंपनी की ओर से किन कारों को रिकॉल किया गया है। किस तरह की खराबी के बाद इनको बुलाया गया है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में कई बेहतरीन कारों को ऑफर करने वाली जापानी वाहन निर्माता Honda की ओर से अपनी हजारों कारों के लिए Recall को जारी किया गया है। कंपनी की ओर से किस तरह की खराबी की जानकारी मिलने के बाद कितनी कारों को वापस बुलाया गया है। इनको कब से ठीक करना शुरू किया जाएगा। क्या इसके लिए किसी तरह का चार्ज लिया जाएगा। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

Honda ने जारी किया Recall

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जापानी वाहन निर्माता होंडा मोटर्स की ओर से अपने वाहनों में गड़बड़ी की जानकारी मिलने के बाद हजारों यूनिट्स को वापस बुलाया गया है। जानकारी के मुताबिक कंपनी ने 92672 यूनिट्स के लिए Recall जारी किया है। इनमें से 90468 यूनिट्स में यह खराबी मिली है लेकिन कंपनी 2204 अन्य पुरानी कारों को भी बुलाकर उनके पार्ट्स भी बदलेगी।

यह भी पढ़ें- Upcoming Cars: दो Sedan and SUV सेगमेंट में जल्द लॉन्च होंगी चार कारें, कीमत रहेगी 10 लाख रुपये से कम

किस तरह की खराबी की मिली जानकारी

रिपोर्ट्स के मुताबिक कंपनी को अपनी कारों के फ्यूल पंप में खराबी की जानकारी मिली है। जिसके बाद हजारों यूनिट्स के लिए रिकॉल जारी किया गया है। कंपनी के मुताबिक जिन कारों के लिए रिकॉल जारी किया गया है उनके फ्यूल पंप में खराब इंपेलर हो सकते हैं जिस कारण इंजन बंद हो सकता है या फिर उसे शुरू करने में परेशानी आ सकती है।

दिवाली 2024 के बाद इस तारीख को आएगी रॉयल इनफील्ड इंटर सेप्टर बीअर650, मिलेगा दमदार इंजन और फीचर्स

परिवहन विशेष न्यूज

दो पहिया वाहन निर्माता Royal Enfield की ओर से जल्द ही नई बाइक को लाने की तैयारी की जा रही है। बाइक के लॉन्च से पहले सोशल मीडिया पर नई बाइक का टीजर जारी किया गया है। इसे कब तक लॉन्च किया जा सकता है। इसमें किस तरह के फीचर्स और इंजन मिल सकता है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में Royal Enfield की ओर से 350 से लेकर 650 सीसी की क्षमता की बेहतरीन बाइक्स को बिक्री के लिए उपलब्ध करवाया जाता है। कंपनी की ओर से Diwali 2024 के बाद एक और नई बाइक लॉन्च करने की तैयारी की जा रही है। लॉन्च से पहले सोशल मीडिया पर इसका टीजर भी जारी किया गया है। कंपनी किस बाइक को किस तारीख में लॉन्च करेगी। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

आएगी नई बाइक

रॉयल एनफील्ड की ओर से भारतीय बाजार में जल्द ही नई बाइक को लाने की तैयारी की जा रही है। कंपनी की ओर से 650 सीसी सेगमेंट में Interceptor Bear 650 को लाया जाएगा। लॉन्च से पहले सोशल मीडिया पर रॉयल एनफील्ड की ओर से इसका टीजर जारी कर दिया गया है।

क्या मिली जानकारी

टीजर से फिलहाल यह जानकारी नहीं मिल पाई है कि किस तरह के फीचर्स के साथ बाइक को लाया जाएगा। लेकिन कंपनी ने यह जानकारी दे दी है कि इस बाइक को पांच नवंबर को लॉन्च किया जाएगा। उम्मीद की जा रही है कि इसमें कई बेहतरीन फीचर्स को ऑफर किया जाएगा।

कैसे होंगे फीचर्स

जानकारी के मुताबिक बाइक में अलॉय व्हील्स की जगह स्पोक व्हील दिए जाएंगे। आगे और पीछे के पहियों पर डिस्क ब्रेक मिलेगी। बाइक में ड्यूल चैनल एबीएस, एलईडी लाइट्स, राउंड शेप स्पीडोमीटर, स्क्रैम्बलर स्टाइल वाली सीट, यूएसडी फॉर्क्स को दिया जाएगा।

कितना दमदार इंजन

रॉयल एनफील्ड की ओर से आने वाली नई बाइक में 648 सीसी की क्षमता का एयर/ऑयल कूल्ड इंजन दिया जाएगा। जिससे बाइक को 47 बीएचपी की पावर और 52.3 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलेगा। बाइक को 6स्पीड गियरबॉक्स के साथ लाया जाएगा। जिसके साथ 17 और 18 इंच के पहिए दिए जाएंगे।

कितनी होगी कीमत

कंपनी की ओर से बाइक को लॉन्च करने के साथ ही सही कीमत की जानकारी दी जाएगी। लेकिन उम्मीद की जा रही है कि इस बाइक को 3.50 लाख रुपये की संभावित एक्स शोरूम कीमत के आस-पास लॉन्च किया जा सकता है।

EICMA में भी आएंगी नई बाइक्स

इटली के मिलान में होने वाले EICMA 2024 में भी रॉयल एनफील्ड की ओर से अपनी कई बाइक्स को पेश किया जाएगा। इस कार्यक्रम में कंपनी की ओर से पहली इलेक्ट्रिक बाइक को भी पेश किया जाएगा। इसके अलावा भी कंपनी कई और बाइक्स को अपडेट के साथ लॉन्च करने की तैयारी कर रही है।

पाठ्येतर गतिविधियाँ बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य में कैसे सहायता कर सकती हैं?

विजय गर्ग

तेज़ गति वाले शैक्षणिक माहौल में, छात्र अक्सर असाइनमेंट पूरा करने, परीक्षा की तैयारी करने और अक्सर अच्छा प्रदर्शन करने के दबाव का अनुभव करने के बीच जूझते रहते हैं। युवा दिमागों पर भारी दबाव और अपेक्षाओं के कारण मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं अधिक प्रचलित हो रही हैं। पाठ्येतर गतिविधियाँ एक व्यवहार्य दृष्टिकोण प्रदान करती हैं जो पाठ्यपुस्तकों और परीक्षणों की सीमाओं से परे है। चाहे कोई बच्चा चित्र बना रहा हो, पार्क में फुटबॉल खेल रहा हो, या स्थानीय आश्रय में स्वयंसेवा कर रहा हो, ये गतिविधियाँ केवल अस्थायी राहत के बजाय भावनात्मक स्वास्थ्य का मार्ग प्रदान करती हैं।

खेल, कला और स्वयंसेवी कार्य बच्चों को रचनात्मकता, विश्राम और भावनात्मक जुड़ाव के लिए बहुत जरूरी आउटलेट प्रदान करते हैं। पाठ्येतर गतिविधियों में भाग लेने से सामाजिक संबंध, लचीलापन और उद्देश्य की भावना का निर्माण करके बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होता है। यह उनके लिए स्टडी ब्रेक के रूप में भी काम करता है। तनाव कम करने के साधन के रूप में पाठ्येतर गतिविधियाँ मान लीजिए कि छात्र अपने अन्य कार्यों को निपटाते समय समय सीमा का सामना करते समय किस दबाव से गुजरते हैं। उनके लिए हमेशा यह सलाह दी जाती है कि वे थोड़ी राहत लें और उन गतिविधियों में शामिल हों जिनमें उन्हें रुचि है। इससे उन्हें शैक्षणिक तनाव से बहुत जरूरी आराम मिलेगा और न केवल तनाव से राहत मिलेगी बल्कि उनकी उत्पादकता भी बढ़ेगी और उन्हें अपना काम तेजी से पूरा करने में मदद मिलेगी। खेल और अन्य शारीरिक गतिविधियाँ लाभ प्रदान करने के लिए अच्छी तरह से पहचानी जाती हैं। जब हम व्यायाम करते हैं तो एंडोर्फिन नामक ₹फील-गुड₹ हार्मोन अधिक उत्पन्न होते हैं। वे तनाव को कम करने में सहायता करते हैं और बेहतर ऊर्जा स्तर में मदद करते हैं। बौद्धिक रूप से उत्तेजक पाठ्येतर गतिविधियाँ जैसे वाद-विवाद टीम में भाग लेना, समुदाय में स्वयंसेवा करना या थिएटर में शामिल होना मानसिक स्वास्थ्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालता है। कौशल विकास और लचीले दिमाग को बढ़ावा देना जो छात्र पाठ्येतर गतिविधियों में भाग लेते हैं वे महत्वपूर्ण जीवन कौशल प्राप्त करते हैं जो उनके मानसिक कल्याण का समर्थन करते हैं। समय प्रबंधन, नेतृत्व, सहयोग और समस्या-समाधान कुछ ऐसी क्षमताएं हैं जो बच्चे इन गतिविधियों के माध्यम से हासिल करते हैं। जिन छात्रों में ये क्षमताएं होती हैं वे न केवल शैक्षणिक रूप से बेहतर प्रदर्शन करते हैं बल्कि जीवन के उतार-चढ़ाव के प्रति अधिक लचीले भी बनते हैं। पाठ्येतर गतिविधियों और शिक्षाविदों के बीच संतुलन खोजना आत्म-अनुशासन और समय प्रबंधन सिखाता है।

विभिन्न दायित्वों को अच्छी तरह से प्रबंधित करने से लचीलापन और आत्म-आश्वासन को बढ़ावा मिलता है। उदाहरण के लिए, एक स्कूल के खेल में, एक बच्चा सीखता है कि दूसरों के साथ कैसे काम करना है, प्रदर्शन की चिंता का सामना करना है और रिहर्सल के तनाव को सहना है। इन अनुभवों से उत्पन्न बढ़ी हुई भावनात्मक बुद्धिमत्ता व्यक्ति को जीवन की बाधाओं पर अधिक नियंत्रण महसूस करने में मदद करती है। पारस्परिक बंधन और सहायता प्रणाली सामाजिक जुड़ाव के लिए अवसर की खिड़की जो पाठ्येतर गतिविधियाँ प्रदान करती है वह मानसिक स्वास्थ्य के लिए सबसे बड़े लाभों में से एक है। पाठ्येतर गतिविधियाँ एक ऐसी दुनिया में समुदाय की भावना प्रदान करती हैं जहाँ बहुत से युवा अकेलेपन और अलगाव का अनुभव करते हैं।

एक टीम, क्लब या संगठन को अपने एक हिस्से के रूप में रखने से दोस्ती को बढ़ावा मिलता है और ठोस सामाजिक नेटवर्क बनता है। इन रिश्तों से भावनात्मक समर्थन मिलता है, जो कठिन समय में विशेष रूप से महत्वपूर्ण होता है। इसके अलावा, जो बच्चे पाठ्येतर गतिविधियों में भाग लेते हैं, वे अक्सर अपने बारे में अधिक आत्मविश्वास और अच्छा महसूस करते हैं। मानसिक भलाई में एक अन्य महत्वपूर्ण कारक सहकर्मी बातचीत है। छात्र दूसरों से मिल सकते हैंपाठ्येतर गतिविधियों में भाग लेकर समान रुचियाँ साझा करें। ये सहकर्मी समूह छात्रों को एक सुरक्षित, स्वीकार्य वातावरण देते हैं जिसमें वे स्वतंत्र रूप से खुद को अभिव्यक्त कर सकते हैं। आत्म-सम्मान और आत्मविश्वास बढ़ाना आत्मविश्वास और आत्म-मूल्य के निर्माण के लिए पाठ्येतर गतिविधियों में भाग लेना आवश्यक है। जब छात्र नए कौशल सीखते हैं और पाठ्येतर गतिविधियों में सफल होते हैं तो उनमें उपलब्धि और व्यक्तिगत विकास की भावना होती है। नेतृत्व की स्थिति, सहयोगात्मक प्रयासों या कलात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से, पाठ्येतर गतिविधियाँ लोगों को बाधाओं पर विजय पाने, लचीलापन विकसित करने और उनकी प्रतिभा को पहचानने में सक्षम बनाती हैं। जो छात्र लगातार अपने लक्ष्यों को प्राप्त करते हैं उनमें आत्म-मूल्य की बेहतर भावना होती है और वे आत्मविश्वास के साथ नई चुनौतियों का सामना करने के लिए अधिक सक्षम होते हैं।

उदाहरण के लिए, एक छात्र जो वाद-विवाद क्लब के लिए साइन अप करता है, उसे पहले दूसरों के सामने बोलने में कठिनाई हो सकती है। लेकिन लगातार भागीदारी, रचनात्मक आलोचना और प्रतियोगिताओं में छोटी जीत से, छात्र न केवल अपनी सार्वजनिक बोलने की क्षमताओं को बढ़ाते हैं बल्कि आत्म-मूल्य की गहरी भावना को भी बढ़ाते हैं। यह बढ़ा हुआ आत्म-आश्वासन सामाजिक स्थितियों और शैक्षणिक उपलब्धि में आगे बढ़ सकता है, यह दर्शाता है कि पाठ्येतर गतिविधियों में भागीदारी सभी पहलुओं में आत्म-सम्मान को कैसे बढ़ा सकती है। संक्षेप में, पाठ्येतर गतिविधियाँ कक्षा की माँगों से सकारात्मक आउटलेट प्रदान करने के अलावा छात्रों के मानसिक कल्याण में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। सामाजिक संपर्क, भावनात्मक मुक्ति और कौशल वृद्धि की सुविधा के माध्यम से, ये प्रयास एक व्यापक और लचीले व्यक्ति के विकास को बढ़ाते हैं। छात्रों को पाठ्येतर गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना शैक्षणिक सफलता के अलावा स्वस्थ मानसिक और भावनात्मक जीवन को बढ़ावा देता है। ऐसे समय में जब मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताएँ अधिक प्रचलित हो रही हैं, एक संपूर्ण, संतोषजनक शैक्षिक अनुभव को बढ़ावा देने के लिए पाठ्येतर गतिविधियाँ महत्वपूर्ण हैं।

संपादकीय

राष्ट्रमंडल खेल

भारत को ग्लासगो में 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में अपनी भागीदारी के बारे में एक महत्वपूर्ण निर्णय का सामना करना चाहिए, जिसमें बहिष्कार की मांग पर विचार जरूरी है। यह भावना इस घोषणा के बाद उभरी है कि एशियाई देशों, विशेष रूप से भारत के वर्चस्व वाले कई खेलों को इस आयोजन से बाहर रखा गया है। हॉकी, क्रिकेट, बैडमिंटन, कुश्ती, स्क्वैश और शूटिंग जैसे प्रमुख खेल, जिनमें भारतीय एथलीट लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन करते रहे हैं, ग्लासगो खेलों का हिस्सा नहीं होंगे, जिससे निष्पक्षता और समावेशिता को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। भारत की पदक संभावनाओं पर प्रभाव : इन खेलों को बाहर करना भारत की पदक उम्मीदों के लिए एक बड़ा झटका है। भारत ने राष्ट्रमंडल खेलों में पारंपरिक रूप से शूटिंग, कुश्ती और हॉकी जैसे आयोजनों में अच्छा प्रदर्शन किया है, जिससे पदक तालिका में इसकी मजबूत स्थिति में योगदान मिला है। इन खेलों को हटाने से भारतीय एथलीटों के लिए वैश्विक मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने के अवसर बहुत कम हो गए हैं। यह निर्णय अन्य एशियाई देशों जैसे पाकिस्तान, बांग्लादेश और मलेशिया पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है, जो इन खेलों में प्रमुख हैं, जिससे खेलों की समग्र प्रतिस्पर्धात्मकता कमजोर हो जाती है। राष्ट्रमंडल खेल, ऐतिहासिक रूप से, खेल के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय सौहार्द और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने का एक मंच रहे हैं।

हालांकि, कई एशियाई देशों में लोकप्रिय खेलों को बाहर करने से एक महत्वपूर्ण असंतुलन पैदा होता है। क्रिकेट और हॉकी जैसे खेल, जिनका भारत और पाकिस्तान जैसे देशों में गहरा सांस्कृतिक महत्व है, सीमाओं के पार प्रशंसकों को एकजुट करते हैं। आयोजन से उन्हें हटाने से न केवल एथलीट प्रभावित होते हैं, बल्कि इन प्रिय खेलों को देखने के लिए खेलों का अनुसरण करने वाले लाखों दर्शक भी अलग-थलग पड़ जाते हैं। कहा जा रहा है कि 2026 के राष्ट्रमंडल खेलों के कार्यक्रम को सुव्यवस्थित करने का निर्णय ऑस्ट्रेलिया द्वारा बढ़ते खर्चों के कारण मेजबानी से हटने के बाद लागत कम करने के लिए लिया गया था। ग्लासगो ने मेजबान के रूप में कदम रखा और अधिक बजट-अनुकूल आयोजन बनाने के उद्देश्य से खेलों की एक छोटी लाइनअप बनाई। 2022 बर्मिंघम खेलों में खेल विषयों की संख्या 19 से घटाकर ग्लासगो खेलों के लिए केवल 10 कर दी गई। वित्तीय बाधाएं तो समझ में आती हैं, लेकिन राष्ट्रमंडल समुदाय के अभिन्न अंग प्रमुख खेलों को बाहर रखने से व्यापक आलोचना हुई है। दूसरा विकल्प : संभावित मेजबान के रूप में भारत : इन खेलों को बाहर रखने के बजाय, भारत को राष्ट्रमंडल खेल 2026 को उसके मूल स्वरूप में आयोजित करने की पेशकश करनी चाहिए। यह राष्ट्रमंडल देशों में खेलों की विविधता का सम्मान करते हुए अधिक समावेशी मंच प्रदान कर सकता है। खेलों की मेजबानी करने से ओलंपिक सहित भविष्य के वैश्विक आयोजनों की मेजबानी करने के भारत के दावे को भी बल मिलेगा। भारत का रुख भविष्य के वैश्विक खेल आयोजनों को आकार देने में महती भूमिका निभा सकता है।

हर अंत एक नई शुरुआत

विजय गर्ग

हमारे इस जीवन का एक बड़ा हिस्सा स्वप्नों में ही समाया हुआ है, जो एक यात्रा है और हम इसमें एक भटके हुए यायावर हैं। हम अपनी आंखों में अपने सपनों की तलाश करते हैं, सजाते हैं, लेकिन कई बार वह तलाश कभी पूरी नहीं होती। जीवन में कोई एक मंजिल तय नहीं हो पाती और आंखें दूसरी मंजिल के सपने देखने लगती हैं। यह प्रकृति की एक जटिल संरचना है, एक अबूझ चक्र है, लेकिन शायद यही जीवन है। कहा जाता है कि वे आंखें ही क्या, जो सपने न देखें। दरअसल, यह कुछ आधी-अधूरी बात लगती है, क्योंकि सपने केवल नहीं देखने का मामला नहीं हैं, बल्कि इनका दायरा बहुत बड़ा है और जीवन रहने तक यह असीम है। प्रचलित और प्रत्यक्ष परिभाषा में आंखों को जिस रूप में देखा जाता है, उसके मुताबिक सोचें तो सपने इन आंखों पर निर्भर नहीं हैं। जो लोग दृष्टिबाधित होते हैं, सपने वे भी देखते हैं और इस अर्थ में स्वप्न एक सजीला शब्द है, जिसमें कितना कुछ निहित है! सच यह है कि सपनों का तंत्र विचार से जुड़ा होता है, इसलिए जो भी मनुष्य जीवित है, वह सपने देखता है। यह संभव है कि वास्तविक जीवन में उपजी जरूरतें कई बार सपने बन रह रह जाएं। मगर इच्छाओं में बदल जाने वाले सपने कई बार जीवन का अहसास कराते हैं। समय के साथ मनुष्य के समाज का स्वरूप ठहरा नहीं रहा है, बल्कि विकसित हुआ है। उसमें सपनों को दुनिया में व्यक्ति के भीतर जिजीविषा भरने का एक श्रेष्ठ माध्यम माना गया है। शायद इसलिए कि जो इच्छाएं वास्तविक जीवन में पूरी होनी संभव नहीं होती, उन्हें कई बार सपनों में पूरा होते देख लिया जाता है। इसे आभासी सुख की तरह माना जा सकता है, लेकिन इन सपनों का महत्त्व इस रूप में देखा जाता रहा है कि ये जीवन यात्रा में कमजोर क्षणों में ऊर्जा भरने के काम आते हैं। नींद के सपनों को छोड़ दिया जाए तो खुली आंखों से देखे जाने वाले सपनों ने संसार का जीवन बदल दिया है।

कई लोग इस मुश्किल से दो-चार होते हैं कि उन्हें स्वप्न सोने नहीं देते, लेकिन दूसरी ओर नींद आती है, तो सपने भी आते हैं। समस्या तब खड़ी होती है, जब कोई ऐसा सपना आंखों में तैरने लगे, जिनके बारे में पता होता है कि उसके पूरा होने की कोई उम्मीद नहीं होती। तपती रेत की तरह जीवन और उसमें मृगमरीचिका की तरह के सपनों के रेगिस्तान के हम सभी पथिक हैं। शायद कभी सपने टूट कर बिखर जाएं तो संभव है, आंखें कुछ समय के लिए पथरा जाएं, यानी सोचने-समझने की प्रक्रिया में थोड़ी स्तब्धता आ जाए, लेकिन संसार में वीतरागी बन कर जीवन यात्रा पूरी नहीं होती। स्वप्नों के आकाश में सूनी आंखों में चमकते तारे उतरते हैं, मानो गहन अंधकार में कोई जुगनू का प्रकाश हुआ हो। जीवन में ऐसा भी समय आता है जब नकारात्मकता का बोध हावी हो जाता है। उस दौर में स्वप्नों की भी चाह नहीं रहती, जीवन उदासीन-सा लगता है, लेकिन फिर एक अपरिचित उम्मीद स्वप्न किरण की तरह मन के सूने द्वार पर दस्तक देती है और जीवन ज्योति फिर से जीवित हो उठती है। जीवन की पीड़ा में सपने मरुस्थल में जल के मानिंद होते हैं। हम उसी मृगतृष्णा में ताउम्र चलते रहते हैं। यही जीवन चक्र है।

जीवन गतिशील है, वह कभी ठहरता नहीं। ठहरना इसकी प्रकृति में है भी नहीं। स्वप्न पूरे हों या न हों, स्वप्नों का आकाश हमेशा आंखों में जीवित रहना चाहिए, जिसमें ब्रह्मांड की तमाम आकाशगंगाओं का समावेश हो। कभी मनुष्य जीवन के दंशों से थका हारा स्वप्नों की चाह खो बैठता है और मृत्यु का आलिंगन करना चाहता है, तो ऐसा किसी बड़े स्वप्न के टूटने से भी हो सकता है। ऐसे समय में धैर्य रखने की जरूरत सबसे ज्यादा होती है। स्वप्नों के टूटने से जीवन की कश्ती डगमगा सकती है, लेकिन फिर धैर्य का मांझी नए स्वप्न दिखाता है, जिसमें हकीकत का स्पर्श होता है। संभव है कि कभी किसी बड़े आघात से जीवन की बगिया मुरझाने लगे, लेकिन अपने मन में आस का दीप सदैव ही प्रज्वलित रखना चाहिए, ताकि जरा भी निराशा मन को न घेरे। स्वप्न कभी अधूरे रह जा सकते हैं, क्योंकि संसार का संचालन केवल हमारे हाथों में नहीं है। हम अपने लिए जिम्मेदार हो सकते हैं और हमारी सीमा भी हो सकती है। मुमकिन है कि कभी अंधियारा इतना गहन हो कि दीप न दिखाई दे, लेकिन आस की जीवन-ज्योति जलानी ही चाहिए।

हरिवंश राय 'बच्चन' की पंक्तियां हैं- 'जो बीत गई, सो बात गई / सूखे पत्तों पर कब मधुबन शोक मानता है।' यह सच भी है कि एक तारा अगर टूट जाए तो इससे फलक सूना नहीं हो जाता। इसी तरह किसी स्वप्न के टूटने से जीवन रुक नहीं जाता। उम्मीदों का आकाश सदैव बाहें पसारे खड़ा रहता है। बस जरूरत होती है हौसले को बनाए रखने की। जीवन में खत्म होने जैसा कुछ नहीं होता है। हर अंत एक नई शुरुआत है। एक मंजिल हासिल न हो, तो नए रास्ते खुलते हैं। बस जीवन से मुंह नहीं मोड़ना चाहिए। स्वप्नों की चाह ही जीवन है। जीवन का कोई पड़ाव हो, सपने सजते रहने चाहिए। जो बुजुर्ग अपने जीवन के अंतिम चरण में होते हैं, वे भी सपने देखते हैं। सच यह है कि सपने जीवन के आभामंडल के इंद्रधनुषी रंग हैं, जो हमें भावनात्मक ऊर्जा तो देते ही हैं, साथ ही जीने की वजह भी बनते हैं।

उद्योगों से निकलकर अब घरों की शोभा बढ़ाएंगे रोबोट

विजय गर्ग

रेस्तरां में कॉफी बनाते और ड्रिंक डालते रोबोट अब जगह-जगह दिखने लगे हैं। स्वचालित व प्रतिक्रिया देने वाले रोबोट को हवाईअड्डों और मॉल में भी काम करते देखा जा सकता है। कुछ रेस्तरां तो ऐसे भी हैं, जहां रोबोट इस्तेमाल की गई प्लेटों को एकत्र करते हैं और उनको रसोई में ले जाते हैं। साफ है, तमाम आकार-प्रकार के रोबोट अब हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा बन चुके हैं। बावजूद इसके चलते-फिरते इंसानी रोबोट हमारे बीच आज भी आश्चर्य, उत्साह व विमर्श पैदा करते हैं।

'टेस्ला ऑप्टिमस' ऐसा ही एक रोबोट है, जिसे टेस्ला के संस्थापक एलन मस्क ने पिछले दिनों जारी किया है। इसने इंसानी रोबोट के प्रभाव व उपयोगिता को लेकर नई बहस छेड़ दी है। मस्क ने रोजमर्रा के कामों के लिए भी रोबोट बनाने की घोषणा की है। साथ-साथ उन्होंने पूरी तरह से स्वचालित कैब और वैन का भी प्रदर्शन किया, जो बिना स्टीयरिंग के चलेंगी। ये तीनों उत्पाद वैश्विक बाजार में व्यापक खपत को ध्यान में रखते हुए बनाए जाएंगे। वास्तव में, रोबोटिक उत्पादों का बाजार बीते कुछ वर्षों में काफी बढ़ा है। इसमें इंसानी रोबोट की मांग अधिक है। गोल्डमैन सैक्स की 'ह्यूमनॉइड रोबोट : द एआई एक्सेलेरेंट' रिपोर्ट तो यह भी बताती है कि यदि डिजाइन, उपयोग, प्रौद्योगिकी, सामर्थ्य और आम लोगों में स्वीकृति जैसी चुनौतियों से पार पा लिया जाए, तो 2035 तक यह बाजार 154 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है।

इंसान जैसे रोबोट अब कई वजहों से अधिक स्मार्ट, सस्ते व मानवीय बन गए हैं। सबसे बड़ा कारण तो इनमें लगने वाली मशीनों का दाम घटना है। फिर, लगातार

धरती कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) ने कहीं अधिक प्रयोग करने की सुविधा दे दी है। गोल्डमैन सैक्स की रिपोर्ट कहती है कि पिछले साल एक इंसानी रोबोट को बनाने में 50 हजार डॉलर से 2.5 लाख डॉलर के बीच खर्च आता था, जो अब घटकर 30 हजार डॉलर से 1.5 लाख डॉलर के बीच हो गया है। लिहाजा आश्चर्य की बात नहीं कि मस्क ने ऑप्टिमस के जल्द ही 20 हजार डॉलर में उपलब्ध होने की घोषणा की है। ये रोबोट घर के कामों में मदद करेंगे, पौधों को पानी देंगे, खाना परोसेंगे और कई दूसरे काम करेंगे। रोबोट अब तक दुकानों और गोदामों तक ही सिमटे रहे हैं। लेकिन घरों में उनका यूं प्रवेश मानव समाज और अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक क्रांतिकारी बदलाव लाने वाला साबित होगा।

मॉर्गन स्टेनली का आकलन है कि वर्ष 2040 तक अमेरिका में 80 लाख इंसानी रोबोट काम कर रहे होंगे, जिससे वेतन पर 357 अरब डॉलर का प्रभाव पड़ेगा। वहीं, 2050 तक ऐसे रोबोट की संख्या 6.3 करोड़ हो सकती है, जो संभवतः 75 फीसदी व्यवसाय, 40 फीसदी कर्मचारी और करीब तीन ट्रिलियन वेतन प्रभावित करेंगे। अनुमान है, सिर्फ अमेरिका में निर्माण कार्यों के 70 फीसदी, खेती-बाड़ी, मछली मारने और वानिकी के 67 फीसदी काम प्रभावित हो सकते हैं। भारत में औद्योगिक रोबोट के इस्तेमाल में 59 फीसदी की वृद्धि हुई है। साल 2023 में 8,510 रोबोट काम कर रहे थे, जो इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ रोबोटिक्स के मुताबिक, एक नई ऊंचाई थी। कार निर्माताओं और आपूर्तिकर्ताओं, दोनों ने इसके विकास में योगदान दिया है। स्टैटिस्टा के मुताबिक, भारत में रोबोटिक्स बाजार का राजस्व साल 2024 में 44.67 करोड़ डॉलर तक पहुंच सकता है। सबसे ज्यादा जोर सर्विस देने वाले रोबोट पर है, जिससे इस साल 28.15 करोड़ डॉलर का राजस्व आ सकता है। इसकी आमदनी में 8.26 फीसदी की सालाना वृद्धि का अनुमान है, जिसके कारण 2029 तक यह बाजार 66.44 करोड़ डॉलर का हो सकता है। औद्योगिक रोबोट के बाद घरेलू रोबोट भी भारत में लोकप्रिय हो सकता है। ऐसे रोबोट की आमद बढ़ने से भारत और चीन जैसी अर्थव्यवस्थाएं प्रभावित हो सकती हैं और युवा आबादी वाले इन देशों को अपनी श्रम एवं रोजगार नीतियों पर पुनर्विचार करना पड़ सकता है।

ये रोबोट खतरनाक व गंदे कामों में फायदेमंद होंगे, हालांकि रचनात्मक लोगों के सामने इनसे चुनौतियां पैदा नहीं होंगी। कुल मिलाकर, इंसानी रोबोट हमारी अपेक्षा से कहीं अधिक तेजी से हमारे घरों में प्रवेश कर सकते हैं। भारत और अन्य देशों को इसके लिए तैयार रहना होगा।

विजय गर्ग

उल्लास से परिपूर्ण उत्सव है दिवाली

दीपावली अथवा दिवाली भारत के प्रमुख त्योहारों में से एक है। त्योहारों का जो वातावरण धनतेरस से प्रारंभ होता है, वह आज के दिन पूरे चरम पर आता है। दीपावली की रात्रि को घरों तथा दुकानों पर भारी संख्या में दीपक, मोमबत्तियां और बल्ब जलाए जाते हैं। दीपावली भारत के त्योहारों में अपना विशिष्ट स्थान रखती है। इस दिन लक्ष्मी के पूजन का विशेष विधान है। रात्रि के समय प्रत्येक घर में धनधान्य की अधिष्ठात्री देवी महालक्ष्मी जी, विघ्न-विनाशक गणेश जी और विद्या एवं कला की देवी मातेश्वरी सरस्वती देवी की पूजा-आराधना की जाती है। ब्रह्मपुराण के अनुसार कार्तिक अमावस्या की इस अंधेरी रात्रि अर्थात अर्धरात्रि में महालक्ष्मी स्वयं भूलोक में आती हैं और प्रत्येक भक्त के घर में विचरण करती हैं। जो घर हर प्रकार से स्वच्छ, शुद्ध और सुंदर तरीके से सुसज्जित और प्रकाशयुक्त होता है, वहां अंश रूप में ठहर जाती हैं। इसलिए इस दिन घर-बाहर को खूब साफ-सुथरा करके सजाया-संवारा जाता है। दीपावली मनाने से लक्ष्मी जी प्रसन्न होकर स्थायी रूप से भक्तों के घर निवास करती हैं'

धनतेरस एवं छोटी दिवाली

वास्तव में धनतेरस, नरक चतुर्दशी (जिसे छोटी दिवाली भी कहा जाता है) तथा महालक्ष्मी पूजन, इन तीनों पर्वों का मिश्रण है दीपावली। भारतीय पद्धति के अनुसार प्रत्येक आराधना, उपासना व अर्चना में आधिभौतिक, आध्यात्मिक और आधिदैविक इन तीनों रूपों का समन्वित व्यवहार होता है। इस मान्यतानुसार इस उत्सव में भी सोने, चांदी, सिक्के आदि के रूप में आधिभौतिक लक्ष्मी का आधिदैविक लक्ष्मी से संबंध स्वीकार करके पूजन किया जाता है। घरों को दीपमाला आदि से अलंकृत करना इत्यादि कार्य लक्ष्मी के आध्यात्मिक स्वरूप की शोभा को आविर्भूत करने के लिए किए जाते हैं। इस तरह इस उत्सव में उपरोक्त तीनों प्रकार से लक्ष्मी की उपासना हो जाती है।

पूजन विधि

लक्ष्मी जी के पूजन के लिए घर की साफ.-सफाई करके दीवार को गेरू से पोतकर लक्ष्मी जी का चित्र बनाया जाता है। लक्ष्मीजी का चित्र भी लगाया जा सकता है। संध्या के समय भोजन में स्वादिष्ट व्यंजन, केला, पापड़ तथा अनेक प्रकार की मिठाइयां होनी चाहिए। लक्ष्मी जी के चित्र के सामने एक चौकी रखकर उस पर मौली बांधनी चाहिए। इस पर गणेश जी की व लक्ष्मी जी की मिट्टी या चांदी की प्रतिमा स्थापित करनी चाहिए तथा उन्हें तिलक करना चाहिए। चौकी पर छह चौमुखे व 26 छोटे दीपक रखने चाहिए और तेल-बत्ती डालकर जलाना चाहिए। फिर जल, मौली, चावल, फल, गुड़, अबीर, गुलाल, धूप आदि से विधिवत पूजन करना चाहिए। पूजा पहले पुरुष करें, बाद में स्त्रियां। पूजन करने के बाद एक-एक दीपक घर के कोनों में जलाकर रखें। एक छोटा तथा एक चौमुखा दीपक रखकर लक्ष्मी जी का पूजन करें। इस पूजन के पश्चात तिजोरी में गणेश जी तथा लक्ष्मी जी की मूर्ति रखकर विधिवत पूजा करें। अपने व्यापार के स्थान पर बही-खातों की पूजा करें। इसके बाद जितनी श्रद्धा हो, घर की बहू-बेटियों को रुपए दें।

दीपदान

दीपावली के दिन दीपकों की पूजा का विशेष महत्त्व है। इसके लिए दो थालों में दीपक रखें। छह चौमुखे दीपक दोनों थालों में रखें। छब्बीस छोटे दीपक भी दोनों थालों में सजाएं। इन सब दीपकों को प्रज्वलित करके जल, रोली, खील-बताशे, चावल, गुड़, अबीर, गुलाल, धूप आदि से पूजन करें और टीका लगावें। व्यापारी लोग दुकान की गद्दी पर गणेश, लक्ष्मी की प्रतिमा रखकर पूजा करें। इसके बाद घर आकर पूजन करें।

लक्ष्मी पूजन

दीपावली पर लक्ष्मी जी का पूजन घरों में ही नहीं, दुकानों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों में भी किया जाता है। कर्मचारियों को पूजन के बाद मिठाई, बर्तन और रुपए आदि भी दिए जाते हैं। दीपावली पर कहीं-कहीं जुआ भी खेला जाता है।

धार्मिक मान्यता

दीपावली के दिन आतिशबाजी की प्रथा के पीछे संभवतः यह धारणा है कि दीपावली-अमावस्या से पितरों की रात आरंभ होती है। कहीं वे मार्ग भटक न जाएं, इसलिए उनके लिए प्रकाश की व्यवस्था इस रूप में की जाती है। इस प्रथा का बंगाल में विशेष प्रचलन है। धर्मग्रंथों के अनुसार कार्तिक अमावस्या को भगवान श्री रामचंद्र जी चौदह वर्ष का वनवास काटकर तथा आसुरी वृत्तियों के प्रतीक रावण का संहार करके अयोध्या लौटे थे। तब अयोध्यावासियों ने राम के राज्यारोहण पर दीपमालाएं जलाकर महोत्सव मनाया था। इसीलिए दीपावली हिंदुओं के प्रमुख त्योहारों में से एक है। यह पर्व अलग-अलग नाम और विधानों से पूरी दुनिया में मनाया जाता है। इसका एक कारण यह भी है कि इसी दिन अनेक विजयश्री युक्त कार्य हुए हैं। बहुत से शुभ कार्यों का प्रारंभ भी इसी दिन से माना गया है। इसी दिन उज्जैन के सम्राट विक्रमादित्य का राजतिलक हुआ था। विक्रमी संवत का आरंभ भी इसी दिन से माना जाता है। अतः यह नए वर्ष का प्रथम दिन भी है। आज ही के दिन व्यापारी अपने बही-खाते बदलते हैं तथा लाभ-हानि का ब्यौरा तैयार करते हैं।

घोड़े के कारोबार से हुई शुरुआत, अब फ्लाइट में है दफ्तर... जानिए वैक्सीन मैन के रोमांचक फैक्ट

परिवहन विशेष न्यूज

सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के सीईओ अदार पूनावाला (Adar Poonawalla) Dharma Production में आधी हिस्सेदारी खरीद रहे हैं। बता दें कि उन्हें वैक्सीनमैन के नाम से जाना जाता है। Dharma Production में आधी हिस्सेदारी खरीदने के बाद वह एक बार फिर से सुर्खियों में आ गया है। हम आपको इस आर्टिकल में अदार पूनावाला और उनके परिवार से जुड़े कुछ रोचक बातों के बारे में बताएंगे।...

नई दिल्ली। कोरोना महामारी से लड़ने के लिए वैक्सीन बनाने वाली कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) के सीईओ एक बार फिर से चर्चा में आ गए। जी हां, माना जा रहा है कि वैक्सीनमैन के नाम से जाने वाले अदार पूनावाला (Adar Poonawalla) ने करण जौहर के Dharma Productions में आधी हिस्सेदारी खरीदी है। इस खबर के आने के बाद अब लोगों में काफी उत्सुकता है कि अदार पूनावाला का सफर कैसा रहा है। हम आपको इस आर्टिकल में अदार पूनावाला से जुड़े कुछ रोचक और खास बातों के बारे में बताएंगे।

सुर्खियों में रहता है पूनावाला फैमिली

पूनावाला फैमिली अपने लाइफ स्टाइल के कारण सुर्खियों में रहता है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार पूनावाला परिवार ने साल 2023 में लंदन में 25,000 वर्गफीट में बना एबरकोनवे हाउस खरीदा था। यह हाउस उन्होंने 1446 करोड़ रुपये में खरीदा था। ऐसा माना जाता है कि यह घर लंदन की सबसे महंगी प्रॉपर्टी है।

अदार पूनावाला के पिता ने साल 2015 में 750 करोड़ रुपये में लिंकन हाउस खरीदा था, जो कि मुंबई में बरीच कैंडी अस्पताल के पास स्थित है। यह लिंकन हाउस एक समय पहले अमेरिका का कमर्शियल दूतावास था।

ब्रिटिश राज में आया था परिवार

पूनावाका की फैमिली पारसी है। वह 19वीं शताब्दी में पुणे आए थे। भारत की आजादी से पहले पूनावाला परिवार कंस्ट्रक्शन का बिजनेस करते थे। लेकिन, पूनावाला की पहचान घोड़ों के कारोबार से हुआ। पूनावाला फैमिली में घोड़े का कारोबार अदार के दादा सोली पूनावाला ने शुरू किया। सोली पूनावाला रेस के लिए घोड़े तैयार करते थे। इसी कारण अंग्रेज अधिकारी और व्यापारी सोली पूनावाला को जानते थे।

सेल्स विभाग से शुरू किया करियर

अदार पूनावाला ने इंग्लैंड से पढ़ाई पूरी की। उन्होंने लंदन के वेस्टमिंस्टर यूनिवर्सिटी से ग्रेज्यूएशन किया। पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने अपने करियर की शुरुआत सीरम इंस्टीट्यूट के सेल्स विभाग से शुरू की। सीरम इंस्टीट्यूट में करीब 10 साल काम करने के बाद वह 2011 में सीरम ग्रुप के सीईओ बने।

अदार पूनावाला ने जैसे ही सीईओ का पद संभाला उन्होंने दो चीजों पर फोकस रखा। उन्होंने सबसे पहले प्रोडक्शन कैपेसिटी को भी बढ़ाया और दूसरा उन्होंने वैक्सीन की अपूर्ति को कम करने के लिए काम किया। वैक्सीन की आपूर्ति को पूरा करने के लिए अदार पूनावाला ने वैक्सीन बनाने वाली डच कंपनी को टेकओवर किया। इस अधिग्रहण के बाद अब अदार की कंपनी ज्यादा वैक्सीन बनाने वाली कंपनी बन गई।

बिल गेट्स से हुए प्रभावित

साल 2015 में बिल गेट्स ने अपने TED टॉक में कहा कि हमें बुद्ध से ज्यादा महामारी के बारे में सोचने और चिंता करने की जरूरत है। बिल गेट्स की इस बात से अदार पूनावाला काफी प्रभावित हुए थे। वह उस समय सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के सीईओ थे। बता दें कि साल 2011 में अदार पूनावाला सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के सीईओ बने थे। अदार ने एक साक्षात्कार में कहा था कि बिल गेट्स की बातों ने उन्हें काफी प्रभावित किया। उन्होंने इसके बाद दवा निर्माण की क्षमताओं को आगे बढ़ाने की योजना बनाई। उनकी यही सोच वैक्सीन बनाने में भी काम आई।

अदार पूनावाला से जुड़े रोचक बातें

अदार पूनावाला कई बार चर्चा में आते हैं। अदार का ऑफिस भी काफी चर्चा में है। जी हैं अदार ने एयरबस ए-320 को अपना फ्लाइंग ऑफिस बनाया है। वहीं उन्हें अपने पिता की तरह महंगी कारों का शौक है। उनके कार कलेक्शन में 20 से ज्यादा महंगी कारें हैं, जिसमें रॉल्स रॉयस, फेरारी, बेंटले और लैम्बोर्गिनी जैसी गाड़ियां शामिल हैं।

अदार ने यहां तक अपने बेटे के लिए एस350 मर्सडीज को बैटमैन की कार में बदलवा दिया। बता दें कि इस कार की एक्स-शोरूम कीमत 1.77 करोड़ रुपये से ज्यादा है। वहीं, साल 2020 में अदार ने 420 करोड़ रुपये का दान किया। यह दान उन्होंने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी को पूनावाला वैक्सीन रिसर्च बिल्डिंग बनाने के लिए किया।

अदार पूनावाला को किया गया सम्मानित

- दुनिया की मानी जाने वाली फॉर्चून मैगजीन में भी अदार पूनावाला का नाम शामिल हुआ था। उनका नाम हेल्थ केयर कैटेगरी में 40 अंडर 40 की सूची में था।
- साल 2021 में टाइम्स मैग्जीन में अदार पूनावाला का नाम दुनिया के प्रभावशाली लोगों में शामिल किया गया।
- अदार ने स्वच्छता पर कई काम किए। इसके बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने अदार पूनावाला को स्वच्छ भारत अभियान का ब्रांड एंबेस्डर भी बनाया है।

पेट्रोल-डीज़ल प्राइस हो गए जारी, टंकी फुल करवाने से पहले चेक करें लेटेस्ट रेट

देश की मुख्य ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने 26 अक्टूबर 2024 (शनिवार) के लिए पेट्रोल-डीजल के दाम जारी कर दिये हैं। अगर आप भी तेल भरवाने पेट्रोल पंप जाने वाले हैं तो आपको एक बार लेटेस्ट रेट चेक करना चाहिए। दरअसल देश के सभी शहरों में पेट्रोल-डीजल के दाम अलग हैं। आइए जानते हैं कि आज आपके शहर में पेट्रोल-डीजल प्रति लीटर कितने रुपये में बिक रहा है।

नई दिल्ली। वर्ष 2017 से रोजाना सुबह पेट्रोल-डीजल के दाम अपडेट होते हैं। देश की मुख्य तेल कंपनियां इनके दाम को अपडेट करती हैं। देश के महानगरों समेत बाकी शहरों में भी पेट्रोल-डाजल के दाम अलग हैं। ऐसे में गाड़ीचालक को सलाह दी जाती है कि वह लेटेस्ट रेट चेक करने के बाद ही टंकी फुल करवाएं।

बता दें कि इस साल मार्च 2024 में आम चुनाव से पहले पेट्रोल-डीजल के दाम में कटौती हुई थी। इसके बाद सभी शहरों में इनके दाम स्थिर बने हुए हैं। आज भी सभी शहरों में तेल के दाम जस के तस बने हुए हैं। आइए, जानते हैं कि आज आपके शहर में एक लीटर पेट्रोल-डीजल कितने रुपये लीटर में मिल रहा है।

आज के लेटेस्ट रेट

इंडियन ऑयल की ऑफिशियल वेबसाइट के मुताबिक, अलग-अलग शहरों में पेट्रोल-डीजल के दाम (Petrol- Diesel Price 26 October 2024)

मेट्रोसिटी में पेट्रोल-डीजल के दाम

- दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल की कीमत 87.62 रुपये प्रति लीटर है।
- मुंबई में पेट्रोल की कीमत 103.44 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 89.97 रुपये प्रति लीटर है।
- कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 104.95 रुपये प्रति लीटर और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर है।
- चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.34 रुपये प्रति लीटर है।

बाकी शहरों में पेट्रोल-डीजल के दाम

- नोएडा: पेट्रोल 94.83 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.96 रुपये प्रति लीटर
- गुरुग्राम: पेट्रोल 95.19 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.05 रुपये प्रति लीटर
- बेंगलुरु: पेट्रोल 102.86 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.94 रुपये प्रति लीटर
- चंडीगढ़: पेट्रोल 94.24 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.40 रुपये प्रति लीटर
- हैदराबाद: पेट्रोल 107.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.65 रुपये प्रति लीटर
- जयपुर: पेट्रोल 104.88 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.36 रुपये प्रति लीटर
- पटना: पेट्रोल 105.18 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.04 रुपये प्रति लीटर

कैसे चेक करें लेटेस्ट रेट

ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के वेबसाइट और ऐप्स पर से ताजा कीमत चेक किया जा सकता है। इसके अलावा पेट्रोल पंप का डीलर कोड लिखकर 92249 92249 पर मैसेज करके भी लेटेस्ट रेट जान सकते हैं। पेट्रोल पंप का डीलर कोड पता करने के लिए इंडियन ऑयल की वेबसाइट पर जाएं।

क्रिप्टोकरेंसी के जोखिम पर भारतीय रिजर्व बैंक गवर्नर शक्तिकांत दास ने डाला प्रकाश, कहा- दुनिया के इकोसिस्टम के लिए बड़ा खतरा

क्रिप्टोकरेंसी अवैध मुद्रा है। इसके बावजूद इसका इस्तेमाल कई लेनदेन के लिए किया जा रहा है। पिछले कुछ सालों से इसमें हो रहे लेनदेन की संख्या में तेजी आई। ऐसे में RBI Governor Shaktikanta Das का कहना है कि इसे वैश्विक स्तर पर पूरी तरह से बैन कर देना चाहिए। शक्तिकांत दास ने हाल ही बताया कि क्रिप्टोकरेंसी कैसे वित्तीय तौर पर रिस्क पैदा कर रही है।

नई दिल्ली। क्रिप्टोकरेंसी को लेकर ग्लोबली काफी क्रेज देखा जा रहा है। कई लोग स्टॉक की जगह पर इसमें निवेश करना पसंद करते हैं। हालांकि, यह कोई वैध मुद्रा नहीं है। इसके बावजूग लोग इसमें निवेश करते हैं। भारत में भी यह करेंसी वैध नहीं है।

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास Peterson Institute for International Economics में आयोजित think-tank कार्यक्रम में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में उन्होंने क्रिप्टोकरेंसी कैसे चुनौती बन रहा है इसके बारे में कहा।

मनी सप्लाई पर खो जाएगा कंट्रोल

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास का कहना है कि क्रिप्टोकरेंसी को बैन कर देना चाहिए। यह देश की आर्थिक स्थिति पर बुरा प्रभाव डालता है। हाल ही में शक्तिकांत दास ने कहा कि क्रिप्टोकरेंसी का असर मनी सप्लाई पर पड़ेगा। अगर लोगों का झुकाव क्रिप्टो की तरफ ज्यादा होता तो केंद्र बैंक अपना कंट्रोल मनी सप्लाई पर खो सका है। उन्होंने यह भी कहा कि क्रिप्टो फाइनेंशियल स्टेबिलिटी के साथ मौद्रिक स्थिरता के लिए भी खतरा है।

शक्तिकांत दास ने कहा कि मैं इस पक्ष में हूं कि जब कोई चीज फाइनेंशियल सिस्टम में मंजूर नहीं है तो इसे बैन करना ही अच्छा है। अगर इसे समय रहते बंद नहीं करते हैं तो यह फाइनेंशियल तौर पर काफी रिस्क हन सकती है।

अगर केंद्र बैंक का मनी सप्लाई पर कंट्रोल खो जाता है तो इसका सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। ऐसे होने के बाद केंद्र बैंक फाइनेंशियल सिस्टम की लिक्विडिटी को चेक नहीं कर सकता है। इसके अलावा देश में महंगाई भी अपने चरम पर पहुंच जाएगी।

एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि हम क्रिप्टो को एक बड़े जोखिम के रूप में देखते हैं। आज के समय में क्रिप्टो की लेनदेन क्रॉस-कंट्री होते हैं।

ग्लोबली तौर पर हो जाना चाहिए फैसला

क्रिप्टो के रिस्क को उजागर करते हुए दास ने कहा कि इस पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैसला लेने की जरूरत है। दरअसल, क्रिप्टो से लेनदेन वैश्विक स्तर पर हो रहा है। यह केवल एक देश के लिए बल्कि सभी के लिए काफी जोखिम भरा है। ऐसे में सभी देशों के एकजुट होकर क्रिप्टो के खिलाफ फैसला लेना चाहिए।

दास आगे कहते हैं कि क्रिप्टो का चलन अगर इसी तरह आगे भी बढ़ता रहा तो इसका असर दुनिया के सभी केंद्र बैंकों पर पड़ेगा। सरकार धीरे-धीरे क्रिप्टो से हो रहे जोखिम को लेकर सतर्क हो रही है।

क्रिप्टो पर भारत ने उठाया पहला सवाल

इस साल भारत में जी-20 समिट में आयोजित हुआ था। इस समिट में भारत पहला देश था जिसने क्रिप्टो करेंसी और जोखिम को लेकर सवाल उठाया था। जी-20 समिट में यह फैसला लिया गया कि अंतरराष्ट्रीय समझ के साथ क्रिप्टोकरेंसी के इकोसिस्टम को समझा जाएगा।

शक्तिकांत दास ने कहा कि आरबीआई पहला केंद्र बैंक है जिसने क्रिप्टो के जोखिण तो उजागर किया है। यह सभी देश के फाइनेंशियल सिस्टम के लिए रिस्क है। यह एक सटीक कारण है कि इसे पूरी तरह से बैन कर देना चाहिए। ऐसे में हम यह कह रहे हैं कि हमें क्रिप्टो से काफी सावधानीपूर्वक निपटना चाहिए। हालांकि, यह केवल भारत का फैसला है। बाकी सभी देशों को अपने स्तर पर फैसला लेना चाहिए।

वित्तीय संकट से बचने के लिए आज ही इन आदतों को बोलें गुड़बाइ, फिर दिखने लगेगा कमाल

हम सभी वित्तीय तौर पर स्थिर रहने की कोशिश करते हैं पर हमारी कुछ गलत आदतों के कारण यह संभव नहीं हो पाता है। अगर आप भी चाहते हैं कि आपको वित्तीय तौर पर कोई परेशानी न हो तो इसके लिए आपको सेविंग करना शुरू कर देना चाहिए। हम आपको इस आर्टिकल में बताएंगे कि आपको इस दीवाली कौन-सी बुरी आदतों को छोड़ना चाहिए।

नई दिल्ली। जब भी कोई त्योहार या आपात स्थिति आती है तो हमारा ध्यान हमारे सेविंग पर जाती है। हम वैसे तो हमेशा पूरी कोशिश करते हैं कि हम ज्यादा से ज्यादा सेविंग करें पर हमारी कुछ गलत आदतों की वजह से यह संभव नहीं हो पाता है। आज हम आपको कुछ फाइनेंशियल टिप्स के बारे में बताएंगे जिसके जरिये आप भी ज्यादा से ज्यादा सेविंग कर पाएंगे। यह सेविंग आपको फाइनेंशियल समस्याओं से बचाने में भी मदद करेगी।

अगर आपने इस दीवाली इन गलत आदतों को छोड़ दिया तो अगले साल की दीवाली तक आप देखेंगे कि आपके पास अच्छी-खासी राशि बची होगी, साथ ही आप वित्तीय तौर पर स्थिर होंगे।

सेविंग न करने की आदत

हम भले ही चाहते हैं कि हम ज्यादा से ज्यादा पैसे बचाएं पर हमारे बेतहाशा खर्च करने की आदत महीने के अंत तक हमारे पास पैसे नहीं बचते हैं। ऐसे में हमें इस दीवाली अपने सेविंग न करने की आदत को छोड़ना होगा। आप सेविंग के लिए 50-30-20 रूल को फॉलो कर सकते हैं। इस रूल के अनुसार आपको हमेशा अपनी सैलरी का 20 फीसदी हिस्सा बचाना चाहिए।

इन्वेस्ट न करना

सेविंग के साथ इन्वेस्ट करना भी जरूरी है। आज के समय में इन्वेस्ट करने के लिए कई ऑप्शन मौजूद है। अगर आपने अभी तक निवेश करना शुरू नहीं किया है तो इस दीवाली से आप यह करना शुरू कर सकते हैं। आप रिस्क के साथ निवेश के लिए एसआईपी, स्टॉक, बॉन्ड आदि में निवेश कर सकते हैं। वहीं, अगर आप कोई रिस्क नहीं लेना चाहते हैं तो आप एफडी, गोल्ड और सरकार द्वारा चलाई जा रही सेविंग स्कीम (Saving Scheme) में निवेश कर सकते हैं।

शौक के लिए कर्ज लेना

आज के समय में अच्छी लाइफस्टाइल को मैंटेन करने के लिए लोग कर्ज लेते हैं। इसके अलावा कहीं घूमने या फिर गाड़ी के शौक को पूरा करने के लिए कर्ज लेते हैं। इस तरह के कर्ज से हमेशा बचना चाहिए, क्योंकि यह एक तरह का दलदल है जो शुरुआत में तो सही लगता है पर बाद में यह काफी परेशानी खड़ी कर सकता है। इस दीवाली आपको संकल्प लेना चाहिए कि आप कभी भी अपने शौक के लिए कर्च नहीं लेंगे।

हेल्थ इंश योरेंस नहीं लेना

हम सभी चीजों पर ध्यान देते हैं पर अपनी सेहत पर ध्यान देना भूल जाते हैं। बीमारी कभी भी दस्तक देकर नहीं आती है। ऐसे में बीमारी से बचने के लिए आपको आज ही एक अच्छा हेल्थ इंश्योरेंस (Health Insurace) प्लान खरीदना चाहिए। यह जरूरत के समय आपको फाइनेंशियल तौर पर मदद भी करेगा और साथ ही आपके साथ आपके परिवार को सिक्योर भी करेगा। बता दें कि आप जितनी कम उम्र में इंश्योरें प्लान खरीदते हैं उतना आपको भविष्य में लाभ मिलता है।

शो ऑफ करना

अपने लाइफस्टाइनल को मैंटेन करने और शो ऑफ करना अलग बात है। कई लोग शो ऑफ के चक्कर में फिजूल खर्चा करते हैं। लोग महंगे होटल, पार्टी आदि में एक्सट्रा खर्च करते हैं, जो कि बेमतलब है। इन तरह के खर्चों से बचना चाहिए और कोशिश करें कि आप शो ऑफ की आदत छोड़ दें। आप जितनी जल्दी ये आदत छोड़ेंगे उतना अच्छा रहेगा, वरना एक समय के बाद आपको पछताना पड़ेगा।

दीवाली से पहले सरकार का तोहफा, बिजनेस के लिए अब 10 लाख रुपये से ज्यादा का मिलेगा लोन

PM Mudra Yojana सरकार ने दीवाली से पहले प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (PMMY) को लेकर नोटिफिकेशन जारी किया है। नोटिफिकेशन के अनुसार अब योजना के तहत लोन की लिमिट 10 लाख रुपये से बढ़कर 20 लाख रुपये हो गई है। अगर आप भी इस योजना का लाभ पाकर बिजनेस शुरू करने का सोच रहे हैं तो आइए इस आर्टिकल में आवेदन का पूरा प्रोसेस जानते हैं।

नई दिल्ली। आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत सरकार ने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (PMMY) शुरू की थी। इस योजना में सरकार की तरफ से बिजनेस शुरू करने के लिए लोन (Loan) दिया जाता है। अब दीवाली से पहले सरकार ने योजना में बड़ा अपडेट किया है।

बढ़ा दिया लिमिट

सरकार ने इस योजना में मिल रहे लोन लिमिट को बढ़ा दिया है। जहां पहले बिजनेस शुरू करने के लिए सरकार 10 लाख रुपये तक का लोन देती थी। अब इसे बढ़ाकर 20 लाख रुपये कर दिया गया है। वित्त मंत्रालय (Ministry of Finance) ने अपने बयान में कहा कि मुद्रा योजना (PM Mudra Yojana) को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से यह फैसला लिया गया है। सरकार ने मुद्रा योजना के लिमिट में इजाफा का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है।

बजट 2024 (Budget 2024) पेश करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संकेत दिया था कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की मौजूदा सीमा 10 लाख रुपये को बढ़ाकर 20 लाख रुपये किया जाएगा। हालांकि, इसका लाभ उन लाभार्थी को मिलेगा जिन्होंने 'तरुण' श्रेणी के तहत लिए गए कर्ज को चुका दिया है।

कौन है योजना के पात्र

- केवल भारतीय नागरिक ही इस योजना के लिए अप्लाई कर सकते हैं।
- अगर आवेदर की बैंक डिफॉल्ट हिस्ट्री होती है तो वह योजना के लिए पात्र नहीं है।
- किसी भी कॉरपोरेट संस्था के लिए मुद्रा लोन नहीं लिया जा सकता है।
- आवेदक के पास बैंक अकाउंट होना अनिवार्य है।
- आवेदक की आयु कम से कम 18 साल की होनी चाहिए।

कई कैटेगरी में मिलता है लोन

इस योजना के तहत लोन के लिए सरकारी और प्राइवेट बैंक के साथ त्रीय ग्रामीण बैंक, स्मॉल फाइनेंस बैंक, नॉन फाइनेंशियल कंपनियों में भी अप्लाई किया जा सकता है। मुद्रा योजना में लाभार्थी को तीन कैटेगरी में लोन मिलता है। इस योजना में लोन की लिमिट भी तीन तरह की होती है। आवेदक को शिशु, किशोर और तरुण के तहत लोन दिया जाता है।

कैसे करें अप्लाई

- पीएम मुद्रा योजना की अधिकारिक वेबसाइट (mudra.org.in) पर जाएं।
- अब अपने हिसाब से लोन की तीन कैटेगरी में से कोई एक सेलेक्ट करें।
- इसके बाद न्यू पेज ओपन होगा, जहां से आपको एप्लीकेशन फॉर्म डाउनलोड करना होगा।
- एप्लीकेशन फॉर्म भरने के साथ जरूरी डॉक्यूमेंट्स को अटैच करें।
- अब अपने नजदीक के बैंक जिसमे आपका अकाउंट है। उसमें जाकर फॉर्म सबमिट कर दें।
- फॉर्म सबमिट करने के बाद बैंक इसे वेरिफाई करेगी और एक महीने के भीतर आपको लोन मिल जाएगा। अगर आप ऑनलाइन अप्लाई करते हैं तो आपको इसके लिए यूजर नेम और पासवर्ड क्रिएट करना होगा। ऑनलाइन आवेदन के लिए आपको योजना के ऑफिशियल वेबसाइट पर अप्लाई करना होगा।

ये डॉक्यूमेंट्स है जरूरी

लोन के लिए आवेदन देते समय आपको कुछ डॉक्यूमेंट की फोटोकॉपी लगानी होगी। आपको आधार कार्ड, पैन कार्ड, परमानेंट एड्रेस प्रूफ, बिजनेस के स्थान का एड्रेस प्रूफ, इनकम टैक्स रिटर्न और सेल्फ टैक्स रिटर्न के साथ पासपोर्ट साइज फोटो की कॉपी अटैच करनी होगी।

भारत में 12 वर्षों बाद 18 वाँ एशिया प्रशांत जर्मन कॉन्फ्रेंस 25 अक्टूबर 2024 का आगाज़ -जर्मन की फोकस ऑन इंडिया रणनीति का अभिनंदन

भारत आज लोकतंत्र, जनसांख्यिकी, मांग और डाटा के मजबूत स्तंभों पर खड़ा है भारत की कुछल मैनपॉवर पर भरोसा जताकर वीज़ा की सीमा 20 से 90 हज़ार करना व फोकस ऑन इंडिया,जर्मन रणनीति को रेखांकित करना होगा– एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया– वैश्विक स्तरपर दुनियाँ देख रही है कि भारत के पड़ोसी देश अपनी-अपनी गंभीर समस्याओं से जूझ रहे हैं जैसे बांग्लादेश में फिर हिंसा भड़क उठती है,पीएम के स्तीफ़े पर का प्रूफ नहीं मिलने से संवैधानिक संकट उत्पन्न हो गया है, पाकिस्तान के खैबर पशतून में बम धमाकों वह आंतरिक कलह,तो श्रीलंका का संकट दुनिया देख चुकी है नेपाल में सत्ता परिवर्तन 50-50 पर हुआ है, परंतु भारतीय सरकार हैट्रिक 3.0 के आगाज़ पर वापसी कर रिकॉर्ड बनाया है, व तेज़ी से विज़न 2047 पर चल पड़ी है तथा इस यात्रा में सफ़लता के नए-नए अध्याय जोड़तें जा रहे हैं जिससे दुनिया दंग है, व भारतीय बौद्धिक क्षमता पर सटीक विश्वस्थ हो चली है, क्योंकि दुनियाँ जानती है भारत आज मजबूत लोकतंत्र जनसंख्यकिय तंत्र, मांग और डाटा रूपी चार स्तंभों पर मज़बूती से खड़ी है। आज हम यह चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि जर्मन चांसलर अपने लाव लश्कर के साथ 24 से 25 अक्टूबर 2024 तक भारतीय दौरे पर हैं तथा उन्होंने भारत की भर भर कर तारीफ़ की, क्योंकि भारत रूस-यूक्रेन युद्धशांति के भरपूर प्रयास कर रहा है तथा उन्होंने भारतीय टैलेंट श्रमिकों टेक्नीशियन की बौद्धिक क्षमता को पहचाना है व वीजा अब 20 से बढ़कर 90हज़ार लोगों के लिए खोल दी है इससे उनके प्रभावित होने का अंदाजा लगाया जा सकता है,वहीं सम्मेलन में करीब 27 समझौता पर हस्ताक्षर हुए हैंजो बहुत बड़ी उपलब्धि है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, भारत में 12 वर्षों बाद 18 वाँ एशिया प्रशांत जर्मन कॉन्फ्रेंस 25 अक्टूबर 2024 का आगाज़ जर्मन की रणनीति फोकस ऑन इंडियाका अभिनंदन करते हैं।

साथियों बात अगर हम 18 वें एशियाई प्रशांत कॉन्फ्रेंस 25 अक्टूबर 2024 की करें तो, यह नई दिल्ली में आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में भारतीय पीएम और जर्मनी के चांसलर ने शिरकत की। पीएम ने भारतीय आकांक्षाओं, विकसित भारत का रोडमैप और तकनीक और स्किल की बदौलत दुनियाँ को भरोसा दिलाया कि भविष्य की समस्याओं का समाधान देने में भारत सक्षम है।12 साल बाद भारत एशिया पैसिफिक कॉन्फ्रेंस ऑफ जर्मन बिजनेस की मेजबानी कर रहा है, पीएम ने कहा कि एक ओर सीईओ फोरम की मीटिंग चल रही है और दूसरी ओर दोनों देशों की नौसेनाएं युद्धाभ्यास कर रही हैं, यह दर्शाता है कि हर स्तर पर भारत और जर्मनी के संबंध मजबूत हो रहे हैं देखें।पीएम ने शुक्रवार को जर्मन कंपनियों को देश में निवेश के लिए आमंत्रित करते हुए कहा कि निवेश के लिए भारत से बेहतर कोई स्थान नहीं है और देश की विकास गाथा में शामिल होने का यह सही समय है।पीएम ने इस बात पर जोर दिया कि विदेशी निवेशकों के लिए भारत की मेक इन इंडिया पहल में शामिल होने और मेक फॉर द वर्ल्ड में शामिल होने का यह सही समय है।उन्होंने यह भी कहा कि जर्मनी ने भारत की कुशल जनशक्ति में जो विश्वास व्यक्त किया है, वह अद्भुत है क्योंकि यूरोपीय राष्ट्र ने कुशल भारतीय कार्यबल के लिए वीजा को 20से बढ़ाकर 90 हज़ार करने का निर्णय लिया है, यह जर्मनी के विकास को नई गति देगा।उन्होंने कहा कि हमने आने वाले 25 वर्षों में विकसित भारत का रोडमैप तैयार किया है। मुझे खुशी है कि इस महत्वपूर्ण समय में जर्मन कैबिनेट ने भारत पर ध्यान दस्तावेज़ जारी किया है।उन्होंने कहा, भारत

की विकास गाथा में शामिल होने का यह सही समयहै।भारत वैश्विक व्यापार और विनिर्माण केंद्र बन रहा है,उन्होंने कहा कि आज भारत लोकतंत्र, जनसांख्यिकी, मांग और डेटा के मजबूत स्तंभों पर खड़ा है,भारत सड़कों और बंदरगाहों में रिकॉर्ड निवेश कर रहा है और इंडो-पसिफ़कि रीजन दुनियाँ के भविष्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।आगे कहा, भारत और जर्मनी के बीच सातवें इंटर गवर्नमेंटल कंसल्टेशन का भी आयोजनहुआ है।इसके अलावा व्यापार और सामरिक साझेदारी के मोर्चे पर भी दोनों देशों के बीच चर्चा महत्वपूर्ण रही।पीएम नें जर्मनी की फोकस ऑन इंडिया रणनीति के लिए अभिनंदन' किया और कहा कि इसमें विश्व के दो बड़े लोकतंत्रों के बीच साझेदारी को व्यापक तरीके से आधुनिक बनाने और ऊंचा उठाने का ब्लूप्रिंट है।

साथियों बात अगर हम जर्मनी चांसलर द्वारा कार्यक्रम मेंसंबोधन करने की करें तो,उन्होंने कहा,यह स्पष्ट है कि हमें अधिक सहयोग की आवश्यकता है। वैश्वीकरण सभी देशों की सफलता की कहानी रही है। एशिया और प्रशांत क्षेत्र के कई देश इसके उदाहरण हैं।।उन्होंने आगे कहा, 21वींसदी की दुनियाँ कुछ ऐसी है, जहां हमें प्रगति के लिए काम करना है। बहुध्रुवीय दुनियाँ में कोई वैश्विक पुलिसकर्मी नहीं, कोई नियम, संस्थान नहीं। हममें से प्रत्येक को इसकी रक्षा करने के लिए बुलाया गया है।अगर रूस यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में सफल होता है तो इसका परिणाम यूरोपीय सीमाओं से परे होगा। इससे वैश्विक सुरक्षा खतरे में पड़ सकता है। मध्य-पूर्व में भी तनाव जारी है। कोरियाई प्रायद्वीप दक्षिण-पूर्वी चीन सागर सभी युद्धबिंदु पर हैं।आगे कहा, आज हमारे विश्वविद्यालयों में विदेशी छात्रों का सबसे बड़ा समूह भारतीयों का है। पिछले वर्ष ही जर्मनी में काम करने वाले भारतीयों की संख्या में 23हज़ार की वृद्धि हुई। यह प्रतिभा हमारे श्रम बाजारमें स्वागत योग्य है।उन्होंनेबताया कि जर्मनी अपनी वीजा प्रक्रिया का डिजिटलीकरण कर रहा है। प्रक्रिया में तेजी ला रहा है।आईजीसी से पहले जर्मन व्यवसायों की एक बैठक को संबोधित करते हुए चांसलर ने भारत के बारे में कई सकारात्मक बातें कहीं, भारत की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि यह दुनियाँ का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और दुनियाँके सबसे गतिशील प्रांतएशिया प्रशांत का केंद्रहै।हालांकि चांसलर ने व्यापार फोरम में बोलते हुए अनियमित आप्रवासन के बारे में चेताया और कहा कि जर्मनी कुशल कामगारों का स्वागत करता है, लेकिन किसे आने देना है और किसे नहीं इसका फैसला वह ही करेगा।तकनीक, कौशल विकास, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर, स्वच्छ ऊर्जा से लेकर खुफिया जानकारी साझा करना और कानूनी मामलों में सहायता जैसे क्षेत्रों में सहयोग कार्यक्रमों की घोषणा की गई। मुक्त व्यापार के मोर्चे पर शॉल्त्स ने कुछ छिपे हुए संदेश भी देने की कोशिश की, उन्होंने संरक्षणवाद का स्पष्ट रूप से विरोध किया और कहा कि विश्व व्यापार संगठन की बनाई व्यवस्था को मानना चाहिए और तरह-तरह के शुल्क लगाने से बचना चाहिए। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच मुफ्त व्यापार संधि (एफटीए) कराने की जर्मनी की कोशिशों का भी जिक्र किया और कहा कि अगर दोनों देश इस पर मिलकर काम करें, तो यह सालों की जगह कुछ ही महीनों में हो जाएगा।एफटीए पर अलग से भी दोनों देशों के बयान आए, जिनसे संकेत मिलता है कि अभी इस पर बहुत काम होना बाकी है।जर्मनी के वाईस चांसलर और आर्थिक मामलों के मंत्री ने कहा कि एफटीए पर चर्चाओं में कृषि क्षेत्र एक मुश्किल विषय बना हुआ है।भारत के व्यापार मंत्री ने भी कहा कि ईयू के लिए अपना डेयरी बाजार नहीं खोलेगा और अगर इस पर जोर दिया गया, तो एफटीए होना मुश्किल है। 2022 में दोनों ही पक्षों ने 2023 तक एफटीए को संपन्न करने की बात की थी, लेकिन यह अभी तक हो नहीं पाया है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भारत में 12 वर्षों बाद 18 वाँ एशिया प्रशांत जर्मन कॉन्फ्रेंस 25 अक्टूबर 2024 का आगाज़- जर्मन की फोकस ऑन इंडिया रणनीति का अभिनंदन।भारत आज लोकतंत्र जनसांख्यिकी मांग और डाटा के मजबूत स्तंभों पर खड़ा है।भारत की कुशल मैनपॉवर पर भरोसा जताकर वीज़ा की सीमा 20 से 90 हजार करना व फोकस ऑन इंडिया जर्मन रणनीति को रेखांकित करना होगा।

–संकलनकर्ता लेखक–क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखकचिंतक कवि सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

'समाज के लिए करुणा की भावना ने मुझे जज बनाए रखा', सीजेआई चंद्रचूड़ ने दलित छात्र के पक्ष में दिए फैसले की कहानी सुनाई

प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने शुक्रवार को कहा कि समाज के प्रति उनकी करुणा की भावना ने ही एक न्यायाधीश के रूप में उन्हें निरंतरता प्रदान की है खासकर मामलों की पड़ताल जैसे महत्वपूर्ण अवसरों पर। पड़ताल का तत्व हमारे काम में शामिल है। इससे कोई भी चीज छूटती नहीं है। पड़ताल का यह तत्व हमारे न्यायालय के काम को निर्देशित करता है।

नई दिल्ली। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने शुक्रवार को कहा कि समाज के प्रति उनकी करुणा की भावना ने ही एक न्यायाधीश के रूप में उन्हें निरंतरता प्रदान की है, खासकर मामलों की पड़ताल जैसे महत्वपूर्ण अवसरों पर। पड़ताल का तत्व हमारे काम में शामिल है। इससे कोई भी चीज छूटती नहीं है। पड़ताल का यह तत्व हमारे न्यायालय के काम को निर्देशित करता है। लेकिन न्यायाधीश के रूप में हमें बनाए रखने वाली चीज उस समाज के प्रति हमारी करुणा की भावना है, जिसके लिए हम न्याय करते हैं। जस्टिस चंद्रचूड़ 10 नवंबर को सेवानिवृत्त होने वाले हैं। उन्हें बांबे हाई कोर्ट में वकीलों के संघ द्वारा सम्मानित किया गया। सीजेआइ ने एक ऐसे मामले का उल्लेख किया, जिसमें उस दलित छात्र को राहत दी गई थी, जो समय पर आइआइटी धनबाद में प्रवेश शुल्क का भुगतान नहीं कर सका था। उन्होंने कहा, लड़का वंचित पृष्ठभूमि से आता था। वह 17,500 रुपये की प्रवेश फीस भी नहीं दे सका था। अगर हमने उसे राहत नहीं दी होती, तो उसे कालेज में प्रवेश नहीं मिलता। यही वह चीज है, जिसने मुझे इतने सालों तक न्यायाधीश के रूप में बनाए रखा। राजस्थान उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन, जयपुर ने मुख्य न्यायाधीश एम.एम. श्रीवास्तव की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड और केंद्रीय विधि मंत्री अर्जुन राम मेघवाल को शिकायती पत्र लिखा है। बार ने उच्च न्यायालय प्रशासन की ओर से शुक्रवार को आयोजित हुए दिवाली स्नेह मिलन का भी बहिष्कार किया और बार ने वकीलों के लिए अलग से स्नेह मिलन आयोजित किया।

दिवाली का त्यौहार

आया दिवाली का त्यौहार,
इसमें खुशियां मिले हजार।
जगमग-जगमग दीप जले,
उजियारों से हर घर खिलें।
एक-दूजे के हम गले मिले,
बड़ों का आशीर्वाद हमें मिले।

आया दिवाली का त्यौहार,
इसमें खुशियां मिले हजार।
हर घर हो गई रंगाई-पुताई,
खिलें आंगन धूप भी मुस्काई।
मम्मी भी लाई खील-बताशे,
पापाजी लाए लक्ष्मी की मूर्ति!
आई है पूजा सामग्री हुई पूर्ति।

आया दिवाली का त्यौहार,
इसमें खुशियां मिले हजार।
खूब हुई सभी दूर रोशनाई,
रात भी जैसे दिन लेकर आई।
आ जाओ खूब पटाखे फोड़ो,
लो खाओ मिठाई मुंह खोलो!
पूरे परिवार को बधाई दे लो।

संजय एम. तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)
इंदौर (मध्यप्रदेश)
98260-25986

चक्रवात पर राज्य सरकार श्वेत पत्र जारी करे : बिजेड़ी

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड ओड़िशा

भुबनेश्वर: बिजेड़ी ने तूफान के साथ राज्य सरकार पर जमकर बरसे। चक्रबात के समय हवा की गति अनुमान से काफी कम थी, जिससे लोगों में दहशत फैल गई। ऐसे तूफ़ान में लोगों को निकालना अनावश्यक था। चक्रवात फनी के दौरान 185 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल रही थी।उस वक्त 10 लाख लोगों को निकाला गया था। इसलिए सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि इस तूफान में वास्तव में कितने लोग विस्थापित हुए। इसके लिए श्वेत पत्र जारी करें।बिजेड़ी ने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस कर ऐसा दावा किया।बिजेड़ी नेत्री सामंतसिंघर ने कहा कि सरकार को जनता को यह जानकारी देनी चाहिए कि तूफान के कारण कितने लोग विस्थापित हुए हैं और कितने लोग आश्रय स्थलों में रह रहे हैं।बिजेड़ी का आरोप है कि राज्य में तूफान से 4 लोगों की मौत हो गई। इनमें से 3 लोगों की जान राजनगर में गई और एक व्यक्ति की जान मुख्यमंत्री के अपने क्षेत्र में गई।बिजेड़ी ने कहा कि राज्य सरकार को जीरो कैजुअल्टी वाला श्वेत पत्र लाना चाहिए और झूठ को सच साबित करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। संयुक्त राष्ट्र ने भी तूफान में नवीन सरकार के मॉडल की सराहना की। 1999 में, राज्य में केवल 23 चक्रवात आश्रय स्थल थे। 2024 में, संख्या 900 थी, जिनमें से 450 अत्याधुनिक चक्रवात आश्रय थे। 24 साल में ओडिशा ने कई आपदाएं झेली हैं।

'बम अफवाह की पोस्ट हटाएं', विमानों को धमकी पर केंद्र सरकार सख्त; सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को दिए अहम निर्देश

देश में पिछले कुछ दिनों से लगातार विमानों को बम की धमकी दी जा रही है। इसको लेकर केंद्र सरकार सख्त हो गई है। इलेक्ट्रॉनिक्स व आईटी मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को निर्देश जारी किए हैं। सरकार ने कहा कि इस प्रकार की हरकत करने वालों की सूचना सरकार को देना उनकी जिम्मेदारी होगी। बता दें कि शुक्रवार को भी 25 से ज्यादा विमानों को धमकी मिली थी।

नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक्स व आईटी मंत्रालय ने ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम जैसे इंटरमीडिएरिज प्लेटफॉर्म के साथ सभी सोशल मीडिया से कहा है कि वह अपने प्लेटफॉर्म से बम की अफवाह जैसी खबरों को प्रेषित नहीं होने दें। अगर उनके प्लेटफॉर्म पर कोई ऐसा करता है तो इस प्रकार की झूठी खबर को प्लेटफॉर्म से हटाना, इस प्रकार की हरकत करने वालों की सूचना सरकार को देना उनकी जिम्मेदारी होगी। अन्यथा उन्हें आईटी एक्ट और भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहना होगा।

लगातार मिल रही बम की अफवाह

गौरतलब है कि पिछले कुछ दिनों से लगातार हवाई जहाज में बम की अफवाह फैलाई जा रही है। पिछले एक सप्ताह में 125 से अधिक बार जहाज में बम होने की झूठी खबर फैलाई गई है। इससे यात्रियों में घबराहट के साथ एयरलाइंस का करोड़ों का नुकसान हुआ है।

मंत्रालय का कहना है कि सोशल मीडिया और इंटरमीडिएरिज प्लेटफॉर्म पर खबरों को फॉरवर्ड करने, रि-पोस्ट करने या रि-ट्वीट करने का विकल्प होने से बम की अफवाह जैसी खबरें खतरनाक रूप ले रही है और इससे यात्रियों की सुरक्षा के साथ देश की सुरक्षा और अर्थव्यवस्था भी प्रभावित होने की आशंका पैदा हो रही है। इसलिए इंटरमीडिएरिज के साथ सभी सोशल मीडिया का यह दायित्व है कि इस प्रकार के पोस्ट को अपने प्लेटफॉर्म पर चलने से रोके और उसे तुरंत हटाने के साथ 72 घंटे के भीतर सरकार को इस प्रकार के पोस्ट डालने वालों की जानकारी दे।

शुक्रवार को भी मिली अफवाह

शुक्रवार को 27 घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को धमकी मिली, जो फर्जी निकली। गुरुवार को देशभर में 83 विमानों को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। पिछले 12 दिनों में भारतीय विमानन कंपनियों द्वारा संचालित 300 से अधिक उड़ानों को बम की धमकी मिली है। ज्यादातर धमकियां इंटरनेट मीडिया के जरिये दी गईं। इन धमकियों को देखते हुए देश के हवाई अड्डों पर सुरक्षा उपाय बढ़ा दिए गए हैं।

इंडिगो के प्रवक्ता ने शुक्रवार को कहा कि कोझिकोड से दम्मम (सऊदी अरब) जाने वाली 6ई 87 उड़ान समेत सात उड़ानों को सुरक्षा से संबंधित सूचना मिली। विस्तारा और स्पाइसजेट की सात-सात उड़ानों को भी धमकी मिली है, जबकि एअर इंडिया की छह उड़ानों को धमकियां मिलीं। दिल्ली से दरभंगा जाने वाली स्पाइसजेट की फ्लाइट में बम होने की सूचना मिली। विमान के एयरपोर्ट पहुंचने पर सभी यात्रियों की तलाशी ली गई। जांच के दौरान बम होने की सूचना झूठी निकली।

अंतराष्ट्रीय सामाजिक ट्रस्ट ने छात्राओं को पटाखे रहित दिवाली मनाने का संकल्प दिलाया: डॉ हृदयेश कुमार

राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सीही सेक्टर 8 के प्रांगण में दिवाली के उपलक्ष में दीपोत्सव मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एन टी पीसी से पंकज अरोड़ा,गौरी गौड़, शिवेन्द्र ,शिवालिक कम्पनी से रोहतास,निधि एवं रोटरी क्लब से माधवी हंस, बी आर सी डाक्टर कमल चौधरी, पूर्व प्राचार्य डाक्टर रोहतास, पूर्व प्राचार्य बिजेंद्र ने मेले का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर रिबन काट कर किया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर जयप्रकाश वैष्णव ने पौधे भेंटकर व माला पहनाकर सभी अतिथियों का अभिनंदन कर स्वागत किया। कार्यक्रम में छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए ओर प्रत्येक कक्षा की छात्राओं ने अपने - अपने स्टाल लगा कर अपने हाथों से बनी कलाकृतियों की प्रदर्शनी लगाई। कार्यक्रम में छात्राओं ने अपने हाथों से बने खाने के व्यंजनों की भी स्टाल लगाई। इस अवसर पर प्रथम व द्वितीय एवं तृतीय श्रेणी पाने वाली कक्षाओं की छात्राओं को व वालंटियर छात्राओं को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में आए सभी अतिथियों ने कहा की सरकारी स्कूलों में भी प्रतिभाओं की कमी नहीं है। मंच संचालन से अखिल भारतीय मानव कल्याण ट्रस्ट के संस्थापक डॉ हृदयेश कुमार ने सभी छात्राओं व अध्यापकों को पटाखे रहित दिवाली मनाने का संकल्प दिलाया और कहा कि पटाखे चलाना बेफजूल खर्चा है। पर्यावरण प्रदूषित होता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर जयप्रकाश वैष्णव ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त कर धन्यवाद किया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विद्यालय के प्राचार्य व सभी अध्यापकों एवं छात्राओं को बी आर सी डाक्टर कमल चौधरी ने सराहना करते हुए दिवाली की बंधाईयां व शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम को सफल बनाने में नीतू,देविना, निशा ,नीलम , देवलता, आशु गांधी, रोहित, जावेद शेख ने अहम भूमिका निभाई। कार्यक्रम में एसएमसी कमेटी की प्रधान, गणमान्य लोग विशेष रूप से उपस्थित थे।

यूरिका 2024: सृजन और नवाचार का त्योहार
मुख्य अतिथि: त्रिपुरा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश श्री.T. अमरनाथ गौड़.

परिवहन विशेष न्यूज

इंडस यूनिवर्सल स्कूल: सैनिकपुरी में स्थित इंडस यूनिवर्सल स्कूल, छात्रों की रचनात्मकता और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए कार्यरत एक प्रमुख शैक्षिक संस्थान है। स्कूल की टीम, वित्त और प्रशासन विभाग के प्रमुख श्री ई. किशन और प्रिंसिपल श्रीमती के.वी. नीलिमा के नेतृत्व में, इस त्योहार का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम छात्रों की प्रतिभा को उजागर करने और अभिभावकों और शिक्षकों के बीच मजबूत संबंध स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। छात्रों ने अपने नवीनतम परियोजनाओं और विचारों के साथ इस उत्सव में भाग लिया और सभी को आकर्षित किया। मुख्य अतिथि:इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित त्रिपुरा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश श्री टी. अमरनाथ गौड़ ने छात्रों की प्रतिभा की विशेष प्रशंसा की और इस विविधता से भरे त्योहार के आयोजन के लिए स्कूल टीम को बधाई दी। उन्होंने स्कूल टीम की मेहनत और इस प्रकार के कार्यक्रमों के आयोजन में उनकी प्रतिबद्धता को प्रोत्साहित किया, जो छात्रों के विकास में सहायक होती है।

बी. श्रेयस:इस कार्यक्रम में विशेष रूप से पहचान पाने वाले छात्र बी. श्रेयस ने ताइक्वांडो में अपनी अद्भुत प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उन्होंने तीन साल की उम्र में ताइक्वांडो सीखना शुरू किया और अपनी पहली बेल्ट प्रसिद्ध तेलुगु फिल्म अभिनेता सुमन तलवार से प्राप्त की। वर्तमान में,

उनके पास कुक्किवोन ताइक्वांडो में पहला डान (First Dan) है और उन्होंने अद्भुत विश्व रिकॉर्ड भी बनाया है।

इस कार्यक्रम में, बी. श्रेयस ने 30 सेकंड में 100 स्पीड किक्स करके अद्भुत विश्व रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने नंचक पूम्से प्रदर्शन में भी अपने कौशल का प्रदर्शन किया, जो ताइक्वांडो में उनकी विशेषता को दर्शाता है। इस कौशल को देखकर न्यायाधीश ने उनकी सराहना की।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023